आज का सुविचार

अनुशासन किसी के ऊपर थोपा नहीं जाता, अपितु आत्म अनुशासन लाया जाता है।

अटल बिहारी बाजपेयी

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221

डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

| आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM |

वर्ष-4 अंक-340 भोपाल, गुरुवार 21 अक्टूबर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

पंचांग

आश्विन शुक्ल पक्ष
षष्ठी, गुरुवार 22
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:19/5:5
वर्षा/बादल %	01 %
नमी %	49 %
वायु (किमी/घं.)	08
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	31°/18°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1 तोला

₹ 48,955

शेयर सूचकांक

बीएसई	61259.96	-456.09
निफ्टी	18266.60	-152.15

पंजाब में ड्रोन से नशे-हथियार की सप्लाई

पंजाब। पंजाब में एक बार फिर ड्रोन से हथियार और नशे की सप्लाई की गई है। इसका मकसद त्योहारों के सीजन में वारदात अंजाम देकर लोगों में दहशत फैलाना था। तरनतारन के खेमकरण सेक्टर में BSF और स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल ने मिलकर कार्रवाई करते हुए नशे और हथियारों की खेप पकड़ी है। यह खेप बीते दिनों रात के समय ड्रोन के माध्यम से फेंकी गई, जिसे एक गुप्त सूचना के आधार पर रिकवर किया गया है।

बिहार पंचायत चुनाव; कटिहार में बूथ में टेबल-कुर्सी तक नहीं, फर्श पर EVM रखकर वोटिंग हो रही

बिहार। बिहार पंचायत चुनाव के चौथे चरण के लिए वोटिंग जारी है। बुधवार को 36 जिलों के 53 ब्लॉक में मतदान हो रहे हैं। कटिहार के सालेपुर में एक बूथ पर टेबल और कुर्सी तक नहीं है। यहां फर्श पर EVM रख वोटिंग कराई जा रही है। वहीं, खगड़िया में सुबह से हल्की बारिश हो रही है। यहां पीपरपांती गांव में प्लास्टिक ओढ़कर वोटर्स अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। बारिश के बावजूद मतदाताओं में उत्साह है।

दलितों-गरीबों पर हमले हो रहे, कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वाल्मीकि जयंती पर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा कि पूरे देश को मालूम है कि दलितों और कमजोर लोगों पर आक्रमण चल रहा है। बस 10-15 लोगों को पूरा का पूरा फायदा दिया जा रहा है।

कुशीनगर में मोदी का तंज... सपा परिवारवादी, माफियावादी:बोले-

लोहिया कहते थे, कर्म से कार्य को जोड़ो; पर पिछली सरकार ने कर्म को घोटालों से, अपराधों से जोड़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कुशीनगर मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास किया। इसके बाद भोजपुरी में बोले- रौरा सभी का सपना पूरा हो गया है। आगे दिवाली और छठ पूजा का समय आ रहा है, ये उत्सव और उत्साह का समय है। यह पावन अवसर कनेक्टिविटी का है। आज सैकड़ों करोड़ के प्रोजेक्ट कुशीनगर को सौंपते हुए, बहुत खुशी हो रही है। नए एयरपोर्ट से गांव से लेकर शहर तक पूरे क्षेत्र की तस्वीर बदलने वाली है। कुशीनगर-महाराजगंज रोड के चौड़ीकरण से लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

बिहार के सीमावर्ती तक के लोगों को बेहतर इलाज मिलेगा

प्रधानमंत्री ने कहा- कुशीनगर मेडिकल कॉलेज से बिहार के सीमावर्ती जिलों तक के लोगों को बेहतर इलाज मिलेगा। इसके साथ गरीब मां का बेटा भी डॉक्टर और इंजीनियर बन सकता है। अब भाषा के कारण उसके विकास में कोई रुकावट नहीं पैदा होगी। इसके साथ ही इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारी से भी लोगों को मुश्किल नहीं होगी। तमाम विकास परियोजनाएं यहां के लोगों को अभाव से निकालकर अपेक्षाओं की तरफ ले जाएंगी। गरीब का आत्मविश्वास अनेक गुना बढ़ जाती हैं।

पहले की सरकार को आपसे मतलब नहीं था

आज बहुत ही ईमानदारी से यूपी सरकार विकास कार्य में लगी है। यहां डबल इंजन सरकार है। 2017 से पहले यानी योगी जी के आने से पहले जो सरकार यहां थी, उसे आपकी दिक्कतों से आपकी परेशानी से कोई सरोकार नहीं था। वह नहीं चाहती थी कि केंद्र का पैसा गरीबों तक पहुंचे। इसलिए यूपी देर होती गई।

समाजवादी से नहीं परिवारवादी पहचान: - डॉक्टर राम मनोहर लोहिया कहा करते थे- कर्म से कार्य को जोड़ो। लेकिन पिछली सरकार ने लोगों के दर्द की परवाह नहीं की। अपने कर्म को घोटालों से जोड़ा, अपराधों से जोड़ा। यूपी के लोग अच्छी तरह जानते हैं कि इन लोगों की पहचान समाजवादी से नहीं परिवारवादी से हैं।

पहले माफिया को खुली छूट और खुली लूट थी

यूपी में पहले की सरकार में माफिया को खुली छूट, खुली लूट थी। आज यहां माफिया माफी मांगता फिर रहा है। इसका दर्द सबसे ज्यादा माफियावादियों को ही हो रहा है। योगी जी और उनकी टीम उस भू-माफिया को ध्वस्त कर रही है, जो अवैध कब्जा करता था। जब अपराधियों को डर होता है, तो वंचितों का विकास हो रहा है।

लखीमपुर मामले में सुनवाई : सुप्रीम कोर्ट की यूपी सरकार को फटकार-

आखिरी मिनट में रिपोर्ट देंगे तो कैसे पढ़ पाएंगे, रात 1 बजे तक किया था इंतजार

» गवाहों के बयान दर्ज करने में ढिलाई पर कोर्ट ने कहा- यह अंतहीन कहानी नहीं हो सकती

» कोर्ट ने कहा- लगता है कि यूपी पुलिस जांच से पीछे हट रही थी, इस छवि को सुधारिए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

यूपी के लखीमपुर हिंसा मामले में दायर जनहित याचिका पर बुधवार को फिर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस मामले में देर से रिपोर्ट दाखिल करने पर कोर्ट ने यूपी सरकार को फटकार लगाई। यूपी सरकार की तरफ से पेश वकील हरीश साल्वे से चीफ जस्टिस एनवी रमना ने कहा कि हमने बीती रात 1 बजे तक आपके जवाब का इंतजार किया था। बता दें कि पिछली सुनवाई में कोर्ट ने यूपी सरकार से कहा था कि 20 अक्टूबर को होने वाले अगली सुनवाई से पहले अपना जवाब दाखिल कर दें।

गवाहों के बयान दर्ज करने में ढिलाई पर भी कोर्ट नाराज

आज सुनवाई के दौरान साल्वे ने कहा कि हम कल बंद लिफाफे में रिपोर्ट सौंप चुके हैं। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि अगर आप आखिरी मिनट में रिपोर्ट देंगे तो हम कैसे पढ़ पाएंगे? कम से कम एक दिन पहले देनी चाहिए। अदालत ने ये भी पूछा कि इस मामले में यूपी सरकार ने बाकी गवाहों के बयान क्यों नहीं लिए? कोर्ट ने कहा कि आपने 44 में से अभी तक 4 गवाहों से ही पूछताछ की है, ऐसा क्यों? ऐसा लगता है कि यूपी पुलिस इस मामले की जांच से पीछे हट रही थी। इस छवि को सुधारिए। कोर्ट ने आगे कहा कि आपकी SIT यह समझ सकती है कि सबसे कमजोर गवाह कौन-से हैं और उन पर हमला हो सकता है, तो फिर अभी तक सिर्फ 4 गवाहों के ही बयान दर्ज क्यों किए गए? इस पर साल्वे ने जवाब दिया कि प्रक्रिया अभी जारी है। पहली FIR के आधार पर अब तक 10 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। कोर्ट ने पूछा है कि इस मामले में कितने आरोपी पुलिस हिरासत में और कितने न्यायिक हिरासत में हैं, क्योंकि जब तक पुलिस उनसे पूछताछ नहीं कर लेती, तब तक हमें इस मुद्दे पर ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाएगी।

पिछली सुनवाई में भी कोर्ट ने लगाई थी फटकार

लखीमपुर मामले की पिछली सुनवाई के दौरान भी सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की जांच पर नाखुशी जताते हुए कड़ी फटकार लगाई थी। कोर्ट ने यूपी सरकार के वकील हरीश साल्वे से पूछा कि हत्या का मामला दर्ज होने के बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी क्यों नहीं की गई? ऐसा करके आप क्या संदेश देना चाहते हैं? उधर, SIT को लखीमपुर हिंसा के दौरान फायरिंग होने के सबूत मिल गए हैं। अब बस ये साफ होना बाकी है कि गोली किस-किसकी बंदूक से चली? इसके लिए पुलिस बैलिस्टिक रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के आरोपी बेटे आशीष को छोड़ बाकी आरोपियों ने ये कबूल किया है कि वे उस वक्त मौके पर थे।

कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी

उप्र के कारपेंटर की हत्या करने वाले आतंकी सहित 2 ढेर

» 14 दिन में 15 दहशतगर्द मारे गए

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। सेना ने बुधवार को 2 आतंकियों को मार गिराया है। इनमें से एक की पहचान आदिल वानी के तौर पर हुई है। ङ्खत्रक्क कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि आदिल जुलाई 2020 से घाटी में सक्रिय था। उसने उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से कश्मीर आए कारपेंटर साकिर अह वानी की हत्या की थी। वह आतंकी संगठन ञ्जक्रस्न का शोपियां जिले का कमांडर था। पिछले 2 हफ्ते के अंदर कश्मीर में 15 आतंकियों को मारा जा चुका है।

सर्च ऑपरेशन के बीच आतंकियों ने की फायरिंग

J&K पुलिस के मुताबिक उन्हें शोपियां के द्रगड़ इलाके में आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। सुरक्षाबलों के सर्च ऑपरेशन शुरू करने पर आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। क्रॉस फायरिंग में सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को मार गिराया। दूसरे आतंकी की पहचान की जा रही है। इससे पहले सेना ने राजौरी में लश्कर-ए-तैयबा के 6 आतंकियों को ढेर किया था। सूत्रों के मुताबिक सेना के अफसरों ने आतंकियों से निपटने के लिए नई रणनीति बनाई है।

बाढ़ से मची तबाही : उत्तराखंड में अब तक 47 की मौत, केरल में 27 और नेपाल में 21 ने जान गंवाई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश के कई राज्यों में लगातार हो रही बारिश से बाढ़ के हालात बन गए हैं। उत्तराखंड और केरल में भारी बारिश से आई बाढ़ ने काफी तबाही मचाई है। उत्तराखंड में मंगलवार को बाढ़ और बारिश की वजह से हुए हादसों में 42 लोगों की मौत हो गई। ज्यादातर मौतें बादल फटने और लैंडस्लाइड की वजह से हुई हैं। कई लोग अब भी मलबे में दबे हुए हैं। बारिश से अब तक राज्य में

47 लोग जान गंवा चुके हैं। राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रियों से अपील की है कि वे जहां हैं वहीं रहें। मौसम में सुधार होने से पहले अपनी यात्रा फिर से शुरू न करें। अल्मोड़ा में लैंडस्लाइड से मकान गिरने के कारण 3 बच्चों की दबकर मौत हो गई। एक महिला के घायल होने और एक व्यक्ति के लापता होने की भी खबर है। जिले के कई इलाकों का बाकी हिस्सों से संपर्क पूरी तरह से कट चुका है।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

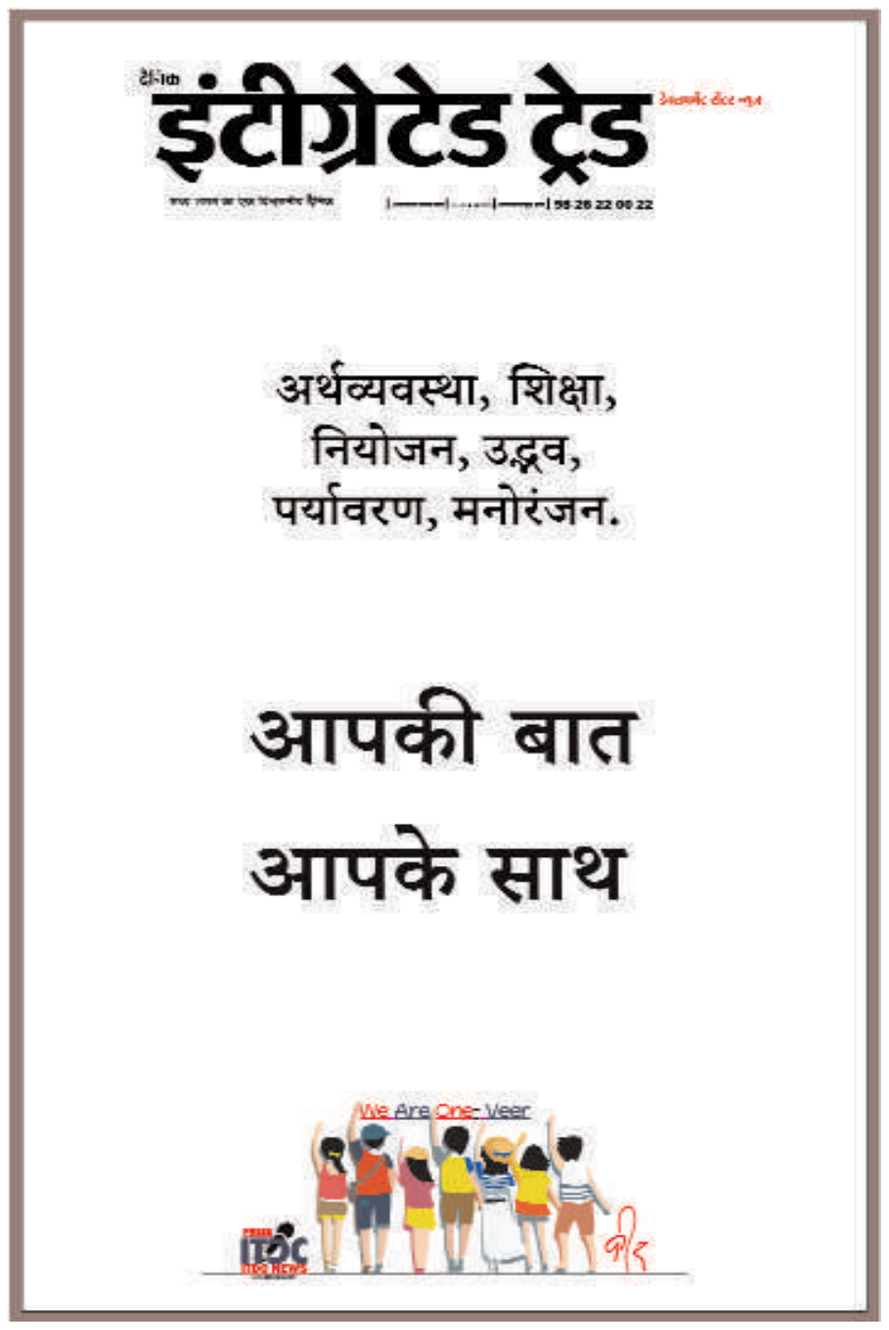

आपकी बात आपके साथ

बदलाव की ओर फेसबुक : खुद को रीब्रांड करने की तैयारी में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, कंपनी को नया नाम भी दिया जा सकता है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

आने वाले दिनों में फेसबुक अपना नाम बदल सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फेसबुक मेटावर्स बनाने पर फोकस कर रहा है। इसी के चलते कंपनी अपने नए नाम की घोषणा कर सकती है। हालांकि कंपनी ने अभी इस बारे में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया है।

कंपनी की एनुअल कनेक्ट कॉन्फ्रेंस में हो सकती है नए नाम की घोषणा:- मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कंपनी के ष्टश्वह्र मार्क जुकरबर्ग कंपनी की ऐनुअल कनेक्ट कॉन्फ्रेंस में नए नाम की घोषणा कर सकते हैं। कंपनी ऐसा इसीलिए करना चाहती है क्योंकि फेसबुक के ष्टश्वह्र चाहते हैं कि कंपनी को अगले कुछ सालों में लोग मेटावर्स कंपनी के तौर पर जानें।

एनुअल कनेक्ट कॉन्फ्रेंस में नए नाम की घोषणा संभव | इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप को एक प्लेटफॉर्म पर लाने की तैयारी

एक ही जगह मिलेंगी कई सुविधाएं

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस बदलाव के जरिए कंपनी अपने सारे ऐप जैसे इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप और ऑकुलस को एक जगह लाने की प्लानिंग कर रही है। मार्क जुकरबर्ग ने हाल में घोषणा की थी कि हम एक सोशल मीडिया कंपनी से आगे बढ़कर मेटावर्स कंपनी बनेंगे और एम्बॉइडेड इंटरनेट पर काम करेंगे। जिसमें रियलटी और वर्चुअल वर्ल्ड का मेल पहले से कहीं अधिक होगा। इससे मीटिंग, घूमना-फिरना, गेमिंग जैसे कई काम कर पाएंगे।

पहले भी कई कंपनियां कर चुकी हैं बदलाव

खुद का नाम बदलने या रीब्रांड करने वाली फेसबुक कोई पहली कंपनी नहीं है। इससे पहले 2015 में गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट ने गूगल सिर्फ एक सर्च इंजन न रह जाए इसके लिए इसमें कई अहम बदलाव किए थे। इसके अलावा 2016 में स्नैपइंक का नाम बदलकर स्नैपचैट किया गया था। कंपनी ने अपने मेटावर्स डेवलपमेंट के लिए यूरोपीय यूनियन के 10 हजार लोगों को नौकरी देने का ऐलान किया है। मार्क जुकरबर्ग ने बताया कि वो वर्चुअल रियलटी वर्ल्ड के एक्सपीरिएंस डेवलपमेंट के लिए पांच साल में बड़े पैमाने पर भर्ती करेंगे।

आईटीडीसी

Classifieds

वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

प्लाट बेचना है 1000 स्क्व्यर फीट स्वदेश नगर थाना अशोका गार्डन के पीछे भोपाल कांटेक्ट नंबर- 9893962422, 7000859059

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

बेचना है जंहागीराबाद की प्राइम लोकेशन पर रम्भा सिनेमा के पास 1230 sqft प्लाट पे 2 मंजिला मकान 10 कमरों के साथ मात्र 53 लाख मे संपर्क करें 7835920099

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 K M दुरी संपर्क, 8889911680,7611127324 ,7611106304

डुप्लेक्स मकान बेचना एसओएस बालग्राम वाली मैनरोड पर शिवलोक फेस-4 के पास कवर्ड कैंपस कॉलोनी में नया बना कीमत मात्र 30 लाख संपर्क 626444558, 6266978675.

बेचना है, डीप फ्रिज़र (वोल्टाज) ब्रांड न्यू 3 महीने पुराने, 500 ली. केपेसीटी (7 नग) रूपये 25000/- प्रति नग सम्पर्क 7000735468

For Immediate sale 2 BHK + furnished flat, vitrified tiles, modular kitchen, wardrobe, CCTV camera, parking, secured campus, Vardhman Green Park Ashoka garden call 9425028873

प्रोपर्टी खरीदना है भोपाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्लाट 1500-3000 Sqft, की ऑफिस चाहिये, 9451371422, 9329334701

5BHK + 3 Caqr parkings B1/501 (Brand new flat) For sale- Paras Urbane Park Bawadia kala (2Km from aura Mall)- (Saparate Servant Entry) 9893262222

5000 वर्गफीट का फार्महाउस बेचना फॉरचून लैंडमार्क मिसरोद से 2 किलोमीटर दूरी पर 30 फिट सीमेंट रोड पर कीमत 800 वर्गफीट 9174029757, 9340628575

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

With 2AC, 2 bhk fully furnished in Rohit Nagar Rent 14500/- Contact@ 8962643902, 8965979432.

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

किराये से देना शॉप 670 स्क्वायर फीट शॉप नंबर-42 ग्राउंड फ्लोर की आकृति बिजनेस सेंटर, रोहित नगर मेन रोड, बावड़िया कला भोपाल मो 9993418989, 7000155290

किराये से देना है, MIG-198, इन्दीरा नगर (मकोडिया आम) आगर रोड, उज्जैन 1 BHK, लेटबाथ, सम्पूर्ण मकान खुला हुआ है 7000735468

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

2BHK फर्निश्ड ग्राउंड फ्लोर. किराये से देना है कवर्ड कैंपस वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी अशोका गार्डन 24घंटे पानी. पार्किंग सर्वसुविधायुक्त, फैमिली को प्राथमिकता 9826225200

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Aparthment opp board office MP nagar Rent- 23000 Contact 8889996171

98 Rohit Nagar – 1, Big 2BHK ground floor of independent house with 24hrs water for service class , pure vegetarian family only. Contact – 9620020829, 9827328523

Tolet मैंन अयोध्या बाईपास रोड पर रिंगाल ट्रेजर के पास 3200 वर्गफुट कमर्शियल स्पेस रेस्टोरेंट, बैंक ऑफिस, शोरूम, कोचिंग 9993902345,9425008604

ITDC JOB आवश्यकता

Work from home part/full time work opportunity. Work (3-4), Students, Job person, housewives, businessman can apply. For more details call 9039890418, 9109793667

Urgently Requirement in Green Land Survey Sultaniya Road Kohefiza Bhopal. Work in Autocad Software 2D (Female), Total Station & DGPS Operator, Tally Calling (Female) Mob. 8435999875 (Mohammad Zeeshan)

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के / लड़कियों की जो की दुकान पर से सेल्स कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क – 9303130069, 9827494909

Urgent required Female Office Assistant, (Graduate) office in Maharana Pratap Nagar, Knowledge of computer (Excle) is must. Salary 8000/- Forward Biodata, Mobile:9111930111.

आवश्कता है सेल्समेन एवं मार्केटिंग मेनेजर की अनुभवी को प्राथमिकता स्वयं का दोपहिया आवश्यक, एवरेस्ट रिसोसेंज , होटल वाव, अयोध्या बायपास भोपाल संपर्क - 9206669999, 9425009983

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

ITDC

VACANCIES

खबर की खबर

इंदौरः स्कूल के टीचर अब सीखेंगे साइबर अपराध का पाठ

वर्तमान परिदृश्य में दिन-प्रतिदिन सायबर अपराध बढ़ते ही जा रहे हैं। इनकी रोकथाम एवं इनसे बचाव हेतु हम सभी में इसके प्रति जागरूकता ही इससे बचने का सबसे बड़ा मूल मंत्र है।

इसी बात को ध्यान में रखते हुए, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आर.ए.पी.टी.सी इंदौर वरुण कपूर द्वारा इसके प्रति जागरूकता की एक अलख विगत एक दशक से जगाकर लगातार आम लोगों, स्कूल एवं कॉलेजों के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, बैंक कर्मियों, विभिन्न प्रोफेशनल्स को समय-समय पर विभिन्न माध्यमों से सायबर अपराधों के प्रति जागरूक किया जा रहा हैं।

इसी कड़ी में एडीजी वरुण कपूर द्वारा विगत कुछ समय से स्कूलों के शिक्षकों के लिये एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम CY-COP का आयोजन किया जा रहा है,

जिसके माध्यम से स्कूलों के टीचरों को सायबर अपराधों एवं इनकी रोकथाम के बारे में जानकारी प्रदान कर, प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि वे अपने स्कूल/संस्थानों में जाकर, अपने यहां के नौनिहाल छात्र-छात्राओं को इसके संबंध में प्राथमिक जानकारी से अवगत करा सकें।

स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे किशोरावस्था के होते हैं तथा इस उम्र के बच्चे ही अक्सर इन साइबर अपराधियों के शिकार हो जाते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए बच्चों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से एडीजी वरुण कपूर द्वारा उक्त विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की हैं।

जिसके तहत अभी तक दो प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन विगत 26-27 अगस्त 2021 एवं 21-22 सितंबर 2021 को किया जा चुका है।

तृतीय सत्र 21 एवं 22 अक्टूबर 2021 को दोपहर एक बजे से 4:45 बजे तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल, शिशुकुंज, अग्रवाल पब्लिक स्कूल, वैष्णव बाल मंदिर गर्ल्स स्कूल, न्यू दिगंबर पब्लिक स्कूल क्लॉथ मार्केट स्कूल जैसे विभिन्न स्कूलों के कुल 49 शिक्षक भाग लेंगे।

उक्त शिक्षक इस दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र में एडीजी वरुण कपूर एवं उनकी टीम के अन्य प्रशिक्षणगणों से साइबर अपराध एवं इनकी रोकथाम व सुरक्षा के उपायों के बारे में तकनीकी ज्ञान प्राप्त करेंगे।

BREAKING NEWS

खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

10.5 फीसदी रहेगी वृद्धि दर : कुमार

नई दिल्ली। नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने बिज़नेस स्टैंडर्ड के समूह परिचर्चा कार्यक्रम में कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में कम से कम 10.5 फीसदी की दर से आगे बढ़ेगी। हालांकि ज्यादातर अर्थशास्त्रियों का मानना है कि सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) की वृद्धि दर 9.5 फीसदी रह सकती है। कुमार ने जोर देकर कहा कि वित्त वर्ष 2023 और उससे आगे आर्थिक वृद्धि दर 8 फीसदी रहने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था पहले से ही अंग्रेजी के डब्ल्यू अक्षर की आकृति का सुधार हासिल कर चुकी है। डब्ल्यू आकृति का मतलब है कि अर्थव्यवस्था में दो बार गिरावट के बाद लगातार वृद्धि दर्ज करना। नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने कहा, %हम डब्ल्यू आकृति के सुधार के अंतिम चरण में है और यह ज्यादा टिकाऊ होगा... सभी संकेतक बताते हैं कि अर्थव्यवस्था में मजबूती आ रही है। यहां तक कि होटल जैसे कारोबार में भी तेजी देखी जा रही है। यह तेजी मार्च 2022 तक जारी रहेगी। इसलिए हमें मार्च 2022 से आगे ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। मजबूत सुधार की संभावना का संकेत देते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष में 9.5 फीसदी वृद्धि दर का अनुमान लगाया है। निजी निवेश में तेजी के आसार के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा कि इसमें तत्काल तेजी नहीं आएगी। निजी पूंजीगत व्यय बढ़ाने के लिए बैंकों को केवल एएए रेटिंग पर ही ध्यान नहीं देना चाहिए। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच भरोसा बढ़ाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है, साथ ही नियामकीय अनुपालन को भी आसान बनाया गया है। नीति आयोग के राजीव कुमार ने कहा कि अगर हम सामान्य रूप से बढ़ते हैं और क्षमता उपयोग 70 से 80 के बीच रहता है तो निजी निवेश 2022 की तीसरी तिमाही या चौथी तिमाही में बढ़ेगा। यह हमारे लिए बहुत देरी होगी। हमें इसे पहले बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, %हम निजी निवेश में पूर्ण सुधार की उम्मीद अगले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही तक कर सकते हैं। कुमार ने कहा कि पिछले 24 महीनों के दौरान संपत्ति मुद्रीकरण, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन, निजी भागीदारी मॉडल जैसे बहुत से सुधार किए गए हैं, जिनसे निजी निवेश में इजाफा होगा।

डीमार्ट के रास्ते पर आईआरसीटीसी : सुबह रिकॉर्ड हाई बनाने के बाद 10 फीसदी टूटा शेयर, मार्केट कैप 16 हजार करोड़ घटा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

डीमार्ट के रास्ते पर आईआरसीटीसी का शेयर चल पड़ा है। आज सुबह रिकॉर्ड हाई बनाने के बाद आईआरसीटीसी के शेयर में 10 फीसदी की गिरावट आई है। इससे इसके मार्केट कैप में 16 हजार करोड़ रुपए की कमी आई है। सुबह से दोपहर तक इस शेयर में 18 फीसदी का उतार-चढ़ाव देखने को मिला।

आईआरसीटीसी का शेयर 6,393 रुपए पर पहुंच गया था

आज सुबह 8 फीसदी की बढ़त के साथ आईआरसीटीसी का शेयर 6,393 रुपए पर पहुंच गया था। इसका मार्केट कैप पहली बार 1 लाख करोड़ रुपए को पार किया था। लेकिन दोपहर बाद अचानक शेयर में बिकवाली शुरू हो गई। इस वजह से इसका शेयर 5,289 रुपए पर पहुंच गया। यह इसका लोअर सर्किट है। यानी एक दिन में शेयर ज्यादा से ज्यादा 10 फीसदी गिर सकता है या इतना ही बढ़ सकता है।

दोपहर बाद शुरू हुई बिकवाली

दोपहर बाद आईआरसीटीसी के शेयर्स में बिकवाली जमकर हुई है। दरअसल यह शेयर बहुत ज्यादा वैल्यूएशन पर कारोबार कर रहा था। अपने इश्यू प्राइस की तुलना में इसने दो साल में 20 गुना से ज्यादा बढ़त हासिल की थी। जबकि एक साल में इसका शेयर तीन गुना ज्यादा बढ़ा था। एक हफ्ते में ही यह शेयर 1500 रुपए बढ़ गया था।

रेलवे सेक्टर की है कंपनी

रेलवे सेक्टर की यह कंपनी है। यह टिकट बुकिंग, खानपान सेवा देने से लेकर पर्यटन तक की सेवा देती है। अपने सेक्टर में यह एकाधिकार रखती है। हालांकि इसका शेयर बहुत ज्यादा वैल्यूएशन पर चल रहा था। यह ठीक डीमार्ट चलाने वाली कंपनी अवेन्यू सुपरमार्ट की तरह है। अवेन्यू सुपरमार्ट का भी शेयर इसी तरह से बेतहाशा बढ़ा था।

डीमार्ट का शेयर दूसरे दिन भी टूटा

सोमवार को सुबह रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा अवेन्यू सुपर मार्ट का शेयर दोपहर बाद गिरावट में आ गया था। सोमवार को 8 फीसदी टूटने के बाद मंगलवार को भी इस शेयर में गिरावट आई। डीमार्ट का शेयर बहुत ज्यादा महंगे वैल्यूएशन पर था और सोमवार को ही ब्रोकरेज हाउसों ने यह कहा था कि यह शेयर 54 फीसदी यहां से टूट सकता है।

बेचने की सलाह दी है ब्रोकरेज हाउस ने

डीमार्ट के शेयर को अधिकतर ब्रोकरेज हाउसों ने बेचने की सलाह दी थी। मंगलवार को दोपहर तक यह शेयर 3 फीसदी गिरावट के साथ 4,753 रुपए पर कारोबार कर रहा था। सोमवार को यह 4,894 रुपए पर बंद हुआ था। इसका मार्केट कैप दो दिनों में करीबन 45 हजार करोड़ रुपए घट गया है।

चीनी फोन से देसी पेमेंट : चाइनीज डिवाइस से मिल रहा डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा

ट्रांजैक्शन में यूज हो रहे हर पांच में से चार ब्रांड चीन के

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में डिजिटल पेमेंट्स को बढ़ावा देने में सीधे तौर पर तो नहीं परोक्ष रूप से जरूर चीन का बड़ा हाथ रहा है। दरअसल, यहां ज्यादातर डिजिटल लेन-देन जिन टॉप 5 ब्रांड्स के हैंडसेट से हो रहे हैं, उनमें से चार चीन के हैं। 2021 की सितंबर तिमाही में इस काम के लिए यूज हो रहे हैंडसेट में से लगभग 45 फीसदी शाओमी और वीवो के थे। इन बातों का पता यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस ऐप फोनपे की पल्स रिपोर्ट के आंकड़ों से चला है।

शाओमी का फोन इस्तेमाल कर रहे हैं फोनपे के 8.07 करोड़ यूजर

पिछली तिमाही में यूपीआई ऐप फोनपे के 8.07 करोड़ यूजर शाओमी, 6.53 करोड़ यूजर वीवो जबकि 6.13 करोड़ यूजर सैमसंग के हैंडसेट यूज कर रहे थे। इन तीनों दिग्गज ब्रांड के अलावा फोनपे के 4.21 करोड़ यूजर ओपो और 2.42 करोड़ यूजर रियलमी के हैंडसेट यूज कर रहे थे। इस हिसाब से डिजिटल पेमेंट के लिए जिन स्मार्टफोन का इस्तेमाल ज्यादा हो रहा है, उनमें ओपो चौथे और रियलमी पांचवें नंबर का ब्रांड रहा है।

वॉलमार्ट के फोनपे के जरिए हो रहे हैं 45 फीसदी यूपीआई ट्रांजैक्शन

देश में 45 फीसदी यूपीआई ट्रांजैक्शन वॉलमार्ट के मालिकाना हक वाली फोनपे के जरिए होते हैं। लगभग 32 करोड़ रजिस्टर्ड यूजर्स वाली फोनपे ने रिपोर्ट के लिए कुल 726 में से 720 जिलों से डेटा जुटाए हैं। ये आंकड़े तब आए हैं, जब सरकार ने कथित तौर पर चीनी ब्रांड्स से उनके स्मार्टफोन में यूज होने वाले कंपोनेंट और डेटा के इस्तेमाल से जुड़े डिटेल मांगे हैं। इसको वहां की स्मार्टफोन कंपनियों पर अंकुश लगाने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है।

फोनपे के रियलमी यूजर्स की संख्या में सबसे तेज उछाल

मंगलवार को जारी फोनपे पल्स रिपोर्ट के मुताबिक, इस यूपीआई ऐप के सबसे ज्यादा यानी 25 फीसदी यूजर शाओमी के मोबाइल डिवाइस इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा 20 फीसदी यूजर्स वीवो के फोन यूज कर रहे हैं, लेकिन सितंबर क्वॉर्टर में एक इंट्रेस्टिंग ट्रेंड नजर आया। फोनपे के शाओमी यूजर्स के मुकाबले रियलमी , वनप्लस और वीवो यूज करने वालों की संख्या तेजी से बढ़ी है। एक अनुमान के मुताबिक, आधे से ज्यादा इंडियन स्मार्टफोन मार्केट पर वीवो, ओपो, शाओमी और वनप्लस का कब्जा है।

ट्रांजैक्शन की टोटल पेमेंट वैल्यू 23.3 फीसदी बढ़कर 9.21 लाख करोड़ हुई

इधर, फोनपे की रिपोर्ट में डिजिटल, खासतौर पर यूपीआई के जरिए होनेवाले पेमेंट सितंबर तिमाही में तेजी से बढ़ने का जिक्र किया गया है। इस दौरान हुए ट्रांजैक्शन की टोटल पेमेंट वैल्यू तिमाही आधार पर 23.3 फीसदी बढ़कर 9.21 लाख करोड़ रुपए हो गई। पल्स रिपोर्ट के मुताबिक, सितंबर तिमाही में ट्रांजैक्शन की संख्या तिमाही आधार पर 33.6 फीसदी उछलकर 526.5 करोड़ रही।

ऑफलाइन पेमेंट में तिमाही आधार पर आया 65 फीसदी का उछाल

दूसरा इंट्रेस्टिंग ट्रेंड यह रहा कि ऑनलाइन पेमेंट के मुकाबले ऑफलाइन मर्चेंट पेमेंट में बढ़ोतरी ज्यादा रही। ऑफलाइन पेमेंट में तिमाही आधार पर आया 65 फीसदी का उछाल इस बात का संकेत है कि दूसरी लहर से इकोनॉमी तेजी से उबरी है और दुकानें भी तेजी से खुल रही हैं। सितंबर तिमाही में फोनपे के रजिस्टर्ड यूजर्स की संख्या 30.5 करोड़ से बढ़कर 32.8 करोड़ हो गई है। अगर डिजिटल ट्रांजैक्शन में होनेवाली बढ़ोतरी को इलाके के हिसाब से देखें तो इसकी ग्रोथ सबसे ज्यादा चंडीगढ़ में रही है। वहां फोनपे के जरिए होने वाले यूपीआई ट्रांजैक्शन वॉल्यूम में तिमाही आधार पर 50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जहां तक राज्यों की बात है, तो कर्नाटक और महाराष्ट्र दोनों ट्रांजैक्शन वॉल्यूम में 22 करोड़ की बढ़ोतरी के साथ अव्वल रहे हैं।

गूगल पिक्सल 6 सीरीज लॉन्च

पिक्सल 6 सीरीज के दोनों फोन में 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

गूगल पिक्सल की 6 सीरीज फाइनली लॉन्च हो गई है। इस सीरीज में पिक्सल 6 और पिक्सल 6 प्रो शामिल हैं। पिक्सल 6 प्रो वैरिएंट के बैक पैनल पर ट्रिपल कैमरा सेटअप और पिक्सल 6 में पर डुअल कैमरा सेटअप है। दोनों ही फोन में 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा मिलता है। इस सीरीज में खास तौर से यूजर्स की सिक्योरिटी का ध्यान रखते हुए 5 साल का सिक्योरिटी अपडेट दिया गया है। फोन को प्री-ऑर्डर किया जा सकता है। पिक्सल 6 सीरीज में गूगल का बनाया हुआ टेंसर चिपसेट दिया गया है। गूगल का कहना है कि टेंसर आर्टिफिशियल के फंक्शन को इम्प्रूव करेगा।

गूगल पिक्सल 6 सीरीज डिस्प्ले:- गूगल पिक्सल 6 में 6.4 इंच OLED डिस्प्ले मिलेगा। वहीं गूगल पिक्सल 6 प्रो में 6.7 इंच LTPO डिस्प्ले मिलेगा। डिस्प्ले का रिफ्रेश रेट 10Hz से 120Hz के बीच होगा। गूगल पिक्सल 6 को कंपनी ने 3 कलर ऑप्शन ब्लैक, रेड और ब्लू ऑप्शन में और पिक्सल 6 प्रो को व्हाइट, ब्लैक और लाइट गोल्ड में पेश किया है। बात कीमत की करें तो पिक्सल 6 की कीमत 599 डॉलर (करीब 44,900 रुपए) और पिक्सल 6 प्रो की कीमत 899 डॉलर (करीब 67,500 रुपए) होगी। सीरीज को गूगल के बनाए नए कवर भी मिलेंगे। इन एक्सेसरीज को रिसाइकिल मटेरियल से बनाया गया है। गूगल पिक्सल मटेरियल यू फीचर से लैस होगा। जो वॉलपेपर के कलर के हिसाब से इंटरफेस को एडॉप्ट कर लेगा। यानी क्लॉक और आइकन का वही कलर होगा, जो बैकग्राउंड का कलर होगा।

एक साल के हाई पर पहुंचा स्टॉक रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर डाउनग्रेड

नोमुरा ने कहा महंगे लेवल पर है शेयर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर को नोमुरा ने डाउनग्रेड कर दिया है। नोमुरा ने कहा कि इसका शेयर महंगे लेवल पर है। हालांकि मंगलवार को रिलायंस का शेयर 2,750 रुपए के एक साल के हाई पर चला गया।

2,731 रुपए पर बंद हुआ स्टॉक:- मंगलवार को शेयर 0.91 फीसदी की बढ़त के साथ 2,731 रुपए पर बंद हुआ। इसका मार्केट कैप 17.31 लाख करोड़ रुपए रहा। नोमुरा होल्डिंग्स इंक के एनालिस्ट अनिल शर्मा की टीम ने मार्केट वैल्यू के लिहाज से भारत के सबसे बड़े शेयर को महंगा वैल्यूएशन वाला शेयर बताया। इसी के साथ इसे डाउनग्रेड कर दिया। इसके साथ ही कुछ अन्य कारणों से हालांकि इसमें निवेशकों की दिलचस्पी काफी हद तक बढ़ भी गई है। कमोडिटीज की कीमतें नए रिकॉर्ड कायम कर रही हैं। शुक्रवार को रिलायंस का रिजल्ट आने वाला है। नोमुरा ने मुकेश अंबानी की दिग्गज कंपनी को खरीदने से तटस्थ की रेटिंग दी है। ब्रोकर ने यह डाउनग्रेड कई सालों में पहली बार किया गया है।

18 अक्टूबर को लिखा नोट:- शर्मा और उनके सहयोगी आदित्य बंसल ने 18 अक्टूबर को एक नोट लिखा था। इसमें उन्होंने रिलायंस के प्रमुख कारोबारों के आउटलुक में सुधार बताया, लेकिन हाल ही में शेयर्स में उछाल के बाद कंपनी के वैल्यूएशन को महंगा बताया। जुलाई के बाद से क्वस्थ सेंसेक्स 18 फीसदी बढ़ा है जबकि इसी समय में रिलायंस का शेयर 30 फीसदी बढ़ा है।

जारी है सुधार मगर अनिश्चितता बरकरार

अर्थशास्त्री इस बात पर सहमत हैं कि एक ओर जहां आर्थिक सुधार की प्रक्रिया जारी है वहीं भविष्य की घरेलू मांग, राज्य सरकारों के पूंजीगत व्यय, बैंकिंग क्षेत्र के फंसे हुए कर्ज तथा आपूर्ति क्षेत्र की बाधाओं को लेकर अभी काफी अनिश्चितता रहने वाली है। बिज़नेस स्टैंडर्ड द्वारा आयोजित बीएफएसआई समिट में नोमुरा की मुख्य अर्थशास्त्री (भारत और जापान के अलावा शेष एशिया) सोनल वर्मा ने कहा, %यह स्पष्ट है कि भारत कारोबारी सुधार चक्र के बीच है। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि अर्थव्यवस्था में इतनी आपूर्ति नहीं है कि वह मांग क्षेत्र की ओर से नजर आ रहे अंग्रेजी के व्ही अक्षर की आकृति के सुधार के साथ कदम मिला सके। वर्मा ने कहा, इस वर्ष हमारी वृद्धि में आपूर्ति क्षेत्र बाधा बन सकता है। जेपी मॉर्गन के मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) साजिद चिनॉय ने कहा कि यदि चालू वित्त वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था 9 या 9.5 फीसदी की दर से बढ़ती है तो भी यह महामारी के पहले के आय स्तर से नीचे रहेगी। चिनॉय ने कहा, हम उस स्थिति से पांच और छह फीसदी नीचे रह सकते हैं जो एक वर्ष पहले लगाए गए अनुमान से बेहतर होगा लेकिन फिर भी यह अंतर काफी अधिक होगा। मुझे लगता है यह बात अहम है क्योंकि नीति निर्माण के दौरान ध्यान में रखना होगा कि हमें यथाशीघ्र गंवाई गई पांच फीसदी आय के अंतर को पाटना होगा। एचएसबीसी में वैश्विक शोध की प्रबंध निदेशक और मुख्य अर्थशास्त्री (भारत) प्रांजल भंडारी ने कहा कि बैंकों का फंसा हुआ कर्ज बढ़ सकता है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि हम सबसे बुरे दौर से गुजर चुके हैं।

टीएचई की इमर्जिंग इकनॉमिज रैंकिंग 2022 में आईआईएस शीर्ष स्थान पर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) की हालिया इमर्जिंग इकनॉमीज रैंकिंग, 2022 में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएस) भारतीय विश्वविद्यालयों में एक बार फिर सबसे आगे रहा है। यह इस सूची में 18वें स्थान पर रहा। हालांकि पिछले वर्ष यह 14वें स्थान पर रहा था। आईआईएस के बाद मैसूरु स्थित जेएसएस अकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन ऐंड रिसर्च भी पहली बार इस सूची में शामिल हुआ और 73वें स्थान पर रहा। टीएचई की इमर्जिंग इकनॉमिज रैंकिंग, 2022 में उन देशों या क्षेत्रों के संस्थान शामिल है जो लंदन स्टॉक एक्सचेंज के एफटीएससीई ग्रुपद्वारा एडवांस इमर्जिंग, सेकंडरी इमर्जिंग या फ्रंटियर के रूप में परिभाषित किए गए हैं। इस रैंकिंग या सूची में सेकंडरी इमर्जिंग देशों के विश्वविद्यालयों के लगातार मजबूत होने की झलक मिलती है। ये विश्वविद्यालय मोटे तौर पर पाकिस्तान, चीन, भारत और रूस से ताल्लुक रखते हैं।

इस रैंकिंग में 50 देशों एवं क्षेत्रों के 698 विश्वविद्यालय शामिल हैं। 698 विश्वविद्यालयों में 104 ऐसे हैं जिन्होंने पहली बार इस सूची में जगह बनाई है। यह रैंकिंग टीएचई वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स की तर्ज पर जारी की जाती है। टीएचई वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स, 2022 का ताजा संस्करण सितंबर में जारी हुआ था। इस वर्ष टीएचई इमर्जिंग इकनॉमिज रैंकिंग, 2022 में भारत के 89 विश्वविद्यालय शामिल किए गए हैं। रूस के 100 और चीन के 97 विश्वविद्यालय भी इस सूची का हिस्सा हैं। विश्वविद्यालयों को रैंकिंग देने में विभिन्न मानदंडों पर विचार किया गया। जेएसएस अकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन ऐंड रिसर्च को शोध उद्धरण (रिसर्च साइटेशन) में 100 अंक मिले। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), रोपड़ को 99.7 अंक मिले। सविता यूनिवर्सिटी ने सबसे ऊंची छलांग लगाई और यह 166वें पायदान पर रही। दुनिया के शीर्ष 100 संस्थानों में भारत से दो आईआईटी इंदौर 84वें और आईआईटी रोपड़ 86वें स्थान पर रहा।

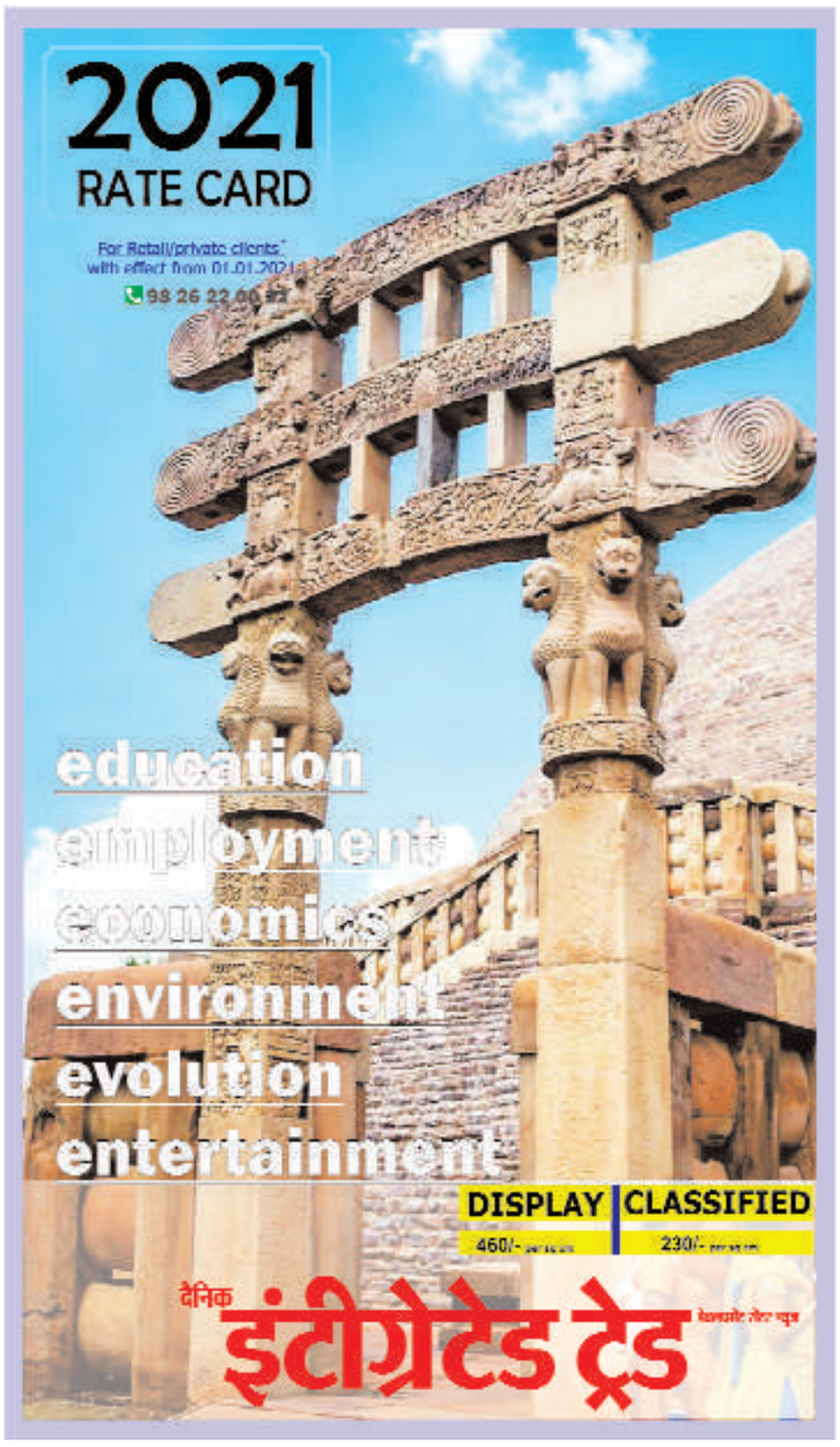

प्रियंका की आर-पार की लड़ाई की रणनीति

- रतिभान त्रिपाठी

कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी की सक्रियता से पार्टी का पुराना वोट बैंक भले ही उसकी तरफ ध्रुवीकृत नहीं है लेकिन पार्टी की नई पीढ़ी की इस नेता की अतिसक्रियता से चमत्कृत जरूर है। प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश को जिस तरह से मथना शुरू किया है उससे भाजपा नेताओं की ओर से उन पर लगाया जाने वाला राजनीतिक पर्यटन का आरोप धुलता नजर आने लगा है। यह प्रियंका गांधी की नेतृत्व क्षमता की परीक्षा की घड़ी भी मानी जा रही है। कांग्रेस ने उन्हें उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा मैदान दे दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष और उनकी मां सोनिया गांधी व भाई राहुल गांधी उनकी चुनावी रणनीति में कोई हस्तक्षेप करते नहीं दिख रहे हैं। उनकी टीम चुनावी मैदान में खुलकर खेलने को तैयार है। लखीमपुर-खीरी की घटना से उन्हें नेतृत्व का टॉनिक भी मिल चुका है। भाजपा तो शायद कम लेकिन अन्य प्रतिद्वंद्वी उनसे कुछ कुछ सहमे लग रहे हैं। प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में चुनावी डंका बजा दिया है। कांग्रेस के लिए कहा जा सकता है कि माना अंधेरा घना है, पर दिया जलाना कब मना है। यह बात तो कांग्रेस प्रभारी भी समझ ही रही होंगी।

उत्तर प्रदेश में पिछड़ी जातियों के वोट बैंक की लड़ाई कहीं यादा है। गणितीय रूप में संख्या तय न होने के बावजूद परंपरागत रूप से पिछड़ी जातियों की संख्या को अधिक मानकर दूसरी पार्टियों की तरह उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस ने पिछड़ी जाति के अजय कुमार लल्लू को प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम गठजोड़ के समीकरण से कभी ताकतवर रही कांग्रेस ब्राह्मणों या मुस्लिमों को प्रदेश अध्यक्षी नहीं सौंप रही। इन दोनों वर्गों को इसका मलाल भी है लेकिन जैसा कहा जाता है कि ब्राह्मणों का एक हिस्सा जो भारतीय जनता पार्टी से नाराज है, वह कहीं और ठौर तलाशने के बजाय कांग्रेस की ओर ही रुख करेगा। उत्तर प्रदेश में एक बात और कही-सुनी जा रही है कि मुस्लिमों की पार्टी बनाकर समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी की नाक में दम करने वाले असदुद्दीन ओवैसी भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर ही अपना मायाजाल फैला रहे हैं। यह बात मुस्लिमों के बीच भी चर्चा का विषय है। ऐसे में कांग्रेस को यह भी उम्मीद है कि मुस्लिम बजाय सपा-बसपा के लॉलीपॉप में फंसने के, उसके साथ ही आएंगे। वजह साफ है कि न केवल उत्तर प्रदेश, वरन देश के पैमाने पर कांग्रेस ही भाजपा से असल लड़ाई लड़ रही है। सपा-बसपा जैसे क्षेत्रीय क्षत्रप तो सिर्फ वोट बैंक साधकर अपनी सरकार बनाने भर तक ही मतलब रखते हैं। भाजपा से इनकी लड़ाई पाखंड के सिवा कुछ भी नहीं। पिछले तीन दशकों से उत्तर प्रदेश में यही देखने को मिल रहा है कि मुस्लिम वर्ग उसी के साथ जाता है जो भाजपा को हराए, जीतेगा कौन या फिर जीतने पर उसका दीर्घकालिक भला होगा या नहीं, इससे उनका मतलब नहीं होता और फिलहाल कांग्रेस भाजपा से पूरी ताकत के साथ वास्तविक लड़ाई लड़ती दिख रही है। कांग्रेस की उभरती ताकत ने मुख्य विपक्षी पार्टी सपा को सांसत में डाल दिया है। वह भले ही अभी खुलकर बोल नहीं पा रही है लेकिन अंदाजा उसको भी है। राजनीतिक प्रेक्षक मानते हैं कि भाजपा किसी भी सूरत में यह नहीं चाहती है कि कांग्रेस, सपा-बसपा इकठ्ठी हों। यदि यह इकठ्ठी हुईं तो मौजूदा हालात में भाजपा की मुसीबत बढ़ सकती है और कांग्रेस की ताकत कुछ बढ़ती हुई दिखने से इन तीनों पार्टियों के एकजुट होने की संभावनाएं कम होती दिख रही हैं। इसलिए कि सवाल सीटों के बंटवारे का खड़ा हो जाएगा और कांग्रेस फिलहाल बहुत दबकर समझौता कतई नहीं करना चाहेगी। कांग्रेस महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी की सक्रियता से पार्टी का पुराना वोट बैंक भले ही उसकी तरफ ध्रुवीकृत नहीं है लेकिन पार्टी की नई पीढ़ी की इस नेता की अतिसक्रियता से चमत्कृत जरूर है। प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश को जिस तरह से मथना शुरू किया है उससे भाजपा नेताओं की ओर से उन पर लगाया जाने वाला राजनीतिक पर्यटन का आरोप धुलता नजर आने लगा है। यह प्रियंका गांधी की नेतृत्व क्षमता की परीक्षा की घड़ी भी मानी जा रही है। यदि इस परीक्षा में वह कुछ हद तक सफल हो पाती हैं तो उनके लिए पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व की जब तब उठने वाली आवाज भी बुलंद हो सकती है। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में राजनीति करने वाली पार्टियों की तरह माइक्रो लेवल की रणनीति भी तैयार कर रखी है। प्रदेश को छह क्षेत्रों में विभाजित कर वहां प्रभारियों की नियुक्ति की है। पूर्वांचल, अवध, बुंदेलखंड, आगरा, बरेली और मेरठ क्षेत्र में जिम्मेदार लोगों को पार्टी का काम सौंपा है। प्रदेश कार्यकारिणी का पुनर्गठन करते हुए हर वर्ग को शामिल किया है। कार्यकारिणी में अगड़ी जातियों के 41 सदस्य, पिछड़ी जातियों के 40 सदस्य, मुस्लिम समुदाय के 20 सदस्य और दलित जातियों के 14 सदस्य शामिल किए हैं।

संपादकीय

पूर्वी पड़ोस में नफरत की बयार

एक धर्मग्रंथ के कथित अपमान के बाद बांग्लादेश के चटगांव डिविजन के कमिला से शुरू हुई सांप्रदायिक हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही। दुर्गा पूजा के पंडालों के बाद अब हिंदू धर्मावलंबियों के घरों को भी निशाना बनाया जाने लगा है। बांग्लादेश की हुकूमत मामले की जल्द जांच कराने और दोषियों को सख्त सजा देने का वायदा लगातार कर रही है। मगर ऐसी बातें बहुत ज्यादा भरोसा नहीं पैदा कर पा रहीं, क्योंकि बांग्लादेश का मूल चरित्र इसकी मुखालफत करता है। दरअसल, बांग्लादेश की राजनीति का एक अहम तत्व है, अकलियतों को निशाने पर लेना। 1947 के बाद से वहां (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) अल्पसंख्यकों का एक तरह से धीमे-धीमे कत्लेआम किया गया है। 1951 की जनगणना में पाकिस्तान के इस हिस्से में हिंदुओं की आबादी लगभग 22 फीसदी थी, लेकिन अब बांग्लादेश की कुल आबादी में उनकी हिस्सेदारी घटकर करीब 8.5 प्रतिशत हो गई है। अगर वहां अल्पसंख्यक महफूज होते, तो उनकी आबादी का प्रतिशत या तो बाकी जनसंख्या के साथ बढ़ता या फिर उसमें कमी आती भी, तो वह बहुत मामूली होती। मगर पिछले सात दशकों का दमन ही है कि वहां के अल्पसंख्यक जलावतन को मजबूर हैं। आलम यह है कि अकलियतों को निशाना बनाया जा रहा है, उनकी संपत्ति हथियाई जा रही है और उन पर तमाम तरह के जुल्म ढाए जा रहे हैं। तरक्की और जनसंख्या को काबू में रखने के बांग्लादेश के दावे के पीछे भी यही गणित है। अगर अल्पसंख्यकों की आबादी लगभग 15 फीसदी कम हो जाए, तो कुल जनसंख्या का प्रतिशत खुद-ब-खुद काफी अच्छा हो जाएगा। मगर मुश्किल यह है कि राजनीतिक, कूटनीतिक, या सियासी अवसरवादिता के कारण न तो स्थानीय स्तर पर और न वैश्विक मंचों पर इसके खिलाफ आवाज उठाई जाती है। बांग्लादेश जब पाकिस्तान का हिस्सा था, तब वहां के पंजाबी और पठान अल्पसंख्यकों को निशाना बनाते थे। पिछली सदी के 70 के दशक के मुक्ति युद्ध के बाद जब एक आजाद मुल्क के तौर पर बांग्लादेश उभरा, तब भी यह सिलसिला थमा नहीं और मुस्लिम बहुल बंगाली ऐसी हिमाकत करने लगे। यह स्थिति तब थी, जब भारत ने उसकी आजादी में निर्णायक भूमिका निभाई थी। वहां अक्सर बड़े पैमाने पर दंगे होते हैं। अल्पसंख्यकों को न पुलिस से कोई सुरक्षा मिलती है, न सरकार से और न ही अदालत से। पंजाबी और पठानों की तरह मुस्लिम बहुल बंगाली भी जमात-ए-इस्लामी व अन्य इस्लामी तंजीमों की मदद से अल्पसंख्यकों को नुकसान पहुंचाते रहे हैं। लिहाजा, कमिला तो सिर्फ एक बहाना है। वहां असल मकसद अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाना था। इसीलिए, धर्मग्रंथ की बेअदबी की कथित घटना को प्रचारित किया गया। इन्हीं सब वजहों से इस मुल्क ने बार-बार पलायन का सैलाब देखा है। वहां की जम्हूरी हुकूमत तो कभी-कभी अराजक तत्वों के खिलाफ काम करती हुई दिखती भी है, मगर जब वहां सैन्य शासक सत्ता संभालते हैं या इस्लाम-पसंद तंजीमों के हाथों में सत्ता-संचालन का काम आता है, तब हालात और ज्यादा खराब हो जाते हैं। अवामी लीग के साथ अच्छी बात यह रही है कि हिंदुओं के अपने पारंपरिक वोट बैंक को बनाए रखने के लिए यह कभी-कभी धार्मिक कट्टरता ओढ़े गुटों पर कार्रवाई करती दिखती है। हालांकि, खुद पार्टी के अंदर ऐसे तत्व सक्रिय रहे हैं, जो जमकर गुंडागर्दी करते थे, और सियासी मजबूरियों के चलते पार्टी आलाकमान को भी चुप्पी साधनी पड़ती है। आज भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। अपनी बहुसंख्यक आबादी को तुष्ट करने के लिए सरकार कई तरह के काम कर रही है। प्रधानमंत्री शेख हसीना के पास भारत पर उंगली उठाने की वजहें तो हैं, पर वह अपने गिरेबान में झांकना पसंद नहीं कर रहीं। संभवत: इसकी वजह बांग्लादेश का एक इस्लामी राष्ट्र होना है। शेख हसीना ने इस्लामी तंजीमों के खिलाफ कुछ कदम उठाए हैं, तो इसलिए नहीं कि वे अकलियतों को निशाना बनाती हैं, बल्कि इसलिए, क्योंकि इन तंजीमों का उभार उनकी अपनी राजनीति के मुफीद नहीं है। इसका लाभ भी उनको मिला है। न सिर्फ मुल्क के अंदर अमनपसंद लोगों ने, बल्कि भारत जैसे देशों ने भी उन पर भरोसा किया है। हालांकि, 2019 में जब भारत में नागरिकता संशोधन कानून बना और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) की बहस तेज हुई, तब बांग्लादेश का रवैया हौसला बढ़ाने वाला नहीं था। यह कानून पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के उन अल्पसंख्यक शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देने की वकालत करता है, जो किसी न किसी कारण से अपनी मूल भूमि से भागकर यहां आए हैं। इसके अलावा, गैर-कानूनी रूप से यहां रहने वाले शरणार्थियों को वापस अपने मुल्क भेजने की जरूरत पर भी बल देता है। जाहिर है, इससे आर्थिक शरणार्थी बनकर आए उन लाखों-करोड़ों मुसलमानों को वापस लौटना होगा, जो रोजगार की तलाश में यहां हैं। बांग्लादेश इसी के खिलाफ है और इसके कारण दोनों देशों के रिश्तों में हाल के समय में खटास भी आई है।

ऐसे में, अच्छा तो यही होगा कि भारत सीएए और एनआरसी पर आगे बढ़े, ताकि बांग्लादेश में निशाना बनाए जा रहे हिंदू, बौद्ध जैसे अल्पसंख्यकों को राहत मिल सके। हालांकि, सीएए में 31 दिसंबर, 2014 तक की समय-सीमा मुकर्रर की गई है, यानी इसमें 2014 की 31 दिसंबर से पहले आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शरणार्थियों को भारत की नागरिकता देने की व्यवस्था है।

सावरकर की वीरता से गोलवलकर के राष्ट्रवाद तक

लेकिन, इसे सिर्फ संघ परिवार की एक अपेक्षाकृत संयमित हस्ती के भी संघ परिवारी व्हाट्सएप ज्ञान का शिकार हो जाने का मामला मानकर छोड़ा नहीं जा सकता है। इसलिए, सबसे पहले कुछ तथ्य स्पष्ट कर देना जरूरी है। सावरकर का महिमामंडन करने के लिए संघ परिवार के विद्वानों द्वारा लिखी गयी जिस किताब के विमोचन के मौके पर राजनाथ सिंह ने उक्त दावा किया था, उसमें भी इसका कोई कम से कम प्रत्यक्ष प्रमाण होने का दावा नहीं किया गया है कि सावरकर ने, गांधी की सलाह पर माफीनामे लिखे थे। दूसरी ओर, कुछ ऐसे निर्विवाद तथ्य पहले ही सामने आ चुके हैं, जो गांधी की सलाह पर सावरकर के माफीनामा लिखने के राजनाथ सिंह के दावे को झुठलाते हैं।

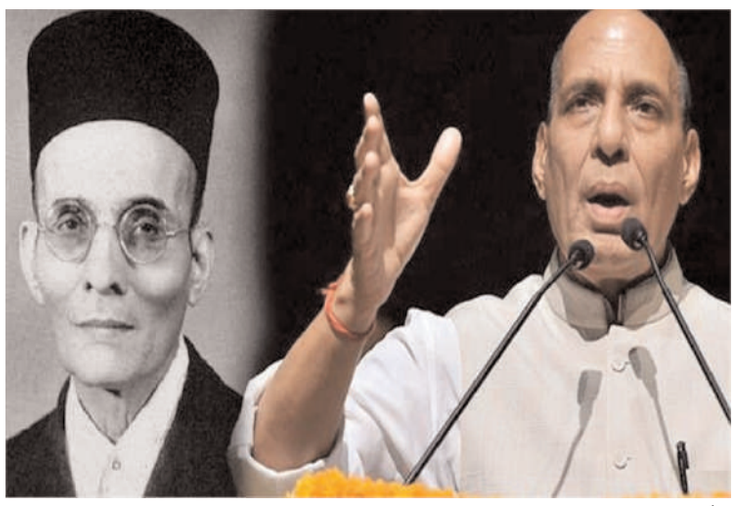

- राजेंद्र शर्मा

संघ परिवार की सावरकर के गिर्द यह आख्यान खड़ा करने की कोशिश कि सावरकर, जिन्होंने हिंदू धर्म तथा धार्मिकता से भिन्न, एक राजनीतिक अवधारणा के रूप में हिंदुत्व को पेश किया था और इस हिंदुत्व की राजनीति करने वाला आरएसएस समेत तमाम विचार परिवार, ही इस अर्थ में सच्चे राष्ट्रभक्त थे कि वे ही देश के विभाजन के खिलाफ लड़ रहे थे, जबकि हिंदुत्व की इस राजनीति को नकारने वाली, राष्ट्रीय आंदोलन की मुख्यधारा ही, 1947 में देश के विभाजन के लिए जिम्मेदार थी। संघ परिवार में लगातार कम कट्टर की निष्फल खोज में लगे रहने वाले और इस गफलत में जाने-अनजाने उत्तरोत्तर बढ़ती कट्टरता को स्वीकार्य बनाने में ही मदद करने वाले, खुद को उदारपंथी मानने वालों को भले ही इससे कुछ हैरानी हुई होगी, लेकिन वास्तव में इसमें हैरानी की कोई बात थी नहीं। पिछले हफ्ते राजनाथ सिंह ने न सिर्फ वीर सावरकर के राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान को झुठलाए जाने की शिकायत की और अब इसके बर्दाश्त नहीं किए जाने का ऐलान किया बल्कि अपनी वीरता के बहुप्रचारित दावों के विपरीत, वी.डी. सावरकर द्वारा बार-बार ब्रिटिश राज को माफीनामे लिखे जाने को मामूली तथ्य बनाकर खारिज करने की कोशिश भी की। इसके लिए उन्हें इस पहली नजर में भी संदेहास्पद लगने वाले दावे का सहारा लेने में भी हिचक नहीं हुई कि सावरकर ने खुद कोई माफीनामे नहीं लिखे थे। उन्होंने तो गांधी की सलाह पर ही रिहाई की प्रार्थना की थी। और कि गांधी भी राष्ट्रीय आंदोलन के लिए सावरकर की भूमिका को स्वीकार करते थे और चाहते थे कि सावरकर जेल से बाहर आएं। लेकिन, इसे सिर्फ संघ परिवार की एक अपेक्षाकृत संयमित हस्ती के भी संघ परिवारी व्हाट्सएप ज्ञान का शिकार हो जाने का मामला मानकर छोड़ा नहीं जा सकता है। इसलिए, सबसे पहले कुछ तथ्य स्पष्ट कर देना जरूरी है। सावरकर का महिमामंडन करने के लिए संघ परिवार के विद्वानों द्वारा लिखी गयी जिस किताब के विमोचन के मौके पर राजनाथ सिंह ने उक्त दावा किया था, उसमें भी इसका कोई कम से कम प्रत्यक्ष प्रमाण होने का दावा नहीं किया गया है कि सावरकर ने, गांधी की सलाह पर माफीनामे लिखे थे। दूसरी ओर, कुछ ऐसे निर्विवाद तथ्य पहले ही सामने आ चुके हैं, जो गांधी की सलाह पर सावरकर के माफीनामा लिखने के राजनाथ सिंह के दावे को झुठलाते हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य तो यही है कि सावरकर को आजीवन कारावास की सजा देकर, 1911 की 4 जुलाई को सेल्युलर जेल में भेजा गया था। इसके सवा दो साल बाद, 14 नवंबर 1913 को सावरकर द्वारा भेजी गयी दया याचिका दस्तावेजी रूप से उपलब्ध है। और खुद इस दस्तावेज में इसका उल्लेख है कि ऐसी ही पहली याचिका, सावरकर सेल्युलर जेल में पहुंचने के छ: महीने बाद ही दे चुके थे। 1913 की याचिका, उनकी दूसरी दया याचिका थी। सावरकर ने ऐसी कुल छ: याचिकाएं लिखी थीं। दूसरी ओर, गांधी दक्षिण अफ्रीका से 9 जनवरी 1915 को ही भारत लौटे थे! साफ है कि इन याचिकाओं के पीछे गांधी की सलाह या प्रेरणा की बात कोरी गप्प है। बेशक, गांधी वी.डी. सावरकर से परिचित थे और लंदन में उनसे मिले भी थे। वह अहिंसा के अपने आग्रह के बावजूद, सावरकर के जुर्म को राजनीतिक मानते थे और उनके जेल से छोड़े जाने के हक में थे। फिर भी इस संबंध में गांधी के किसी भी तरह के हस्तक्षेप का पता, 25 जनवरी 1920 के गांधी के एक पत्र से ही लगता है, जो गांधी ने सावरकर बंधुओं में से एक के, अपने भाइयों को जेल से छुड़ाने में सहायता की प्रार्थना के पत्र के जवाब में लिखा था। बेशक, इस पत्र में यह पूछे जाने पर कि अब सावरकर भाइयों की रिहाई के लिए क्या किया जा सकता था, गांधी ने इस मामले में सलाह देना अपने लिए कठिन होने की बात दर्ज कराने के बाद, रिहाई की याचिका दिए जाने के एक रास्ता होने की ओर इशारा किया था। लेकिन, गांधी से ऐसी सलाह आने तक तो सावरकर, ब्रिटिश हुकूमत को एक नहीं चार-चार माफीनामे भेज चुके थे।

इससे भी महत्वपूर्ण यह कि चार-चार माफीनामे भेजे जाने के बाद दी गयी अपनी सलाह में भी गांधी ने जिस तरह के पत्र का इशारा किया था, उसका सावरकर द्वारा लिखे गए माफीनामों से दूर-दूर तक कोई रिश्ता नहीं था। गांधी की सलाह थी कि रिहाई की प्रार्थना में संक्षेप में मामले के तथ्यों का बयान करते हुए, इस पर तथ्य पर सारा जोर रहे कि संबंधित जुर्म पूरी तरह से राजनीतिक था। वास्तव में ऐसी याचिका के जरिए गांधी, ब्रिटिश हुकूमत से यादा, सावरकर के केस की ओर जनता का ध्यान खींचने और इसके जरिए ब्रिटिश हुकूमत पर दबाव बनाने की ही उम्मीद कर रहे थे। बेशक, इसके अलावा उन्होंने सावरकर की रिहाई के लिए निजी तौर पर प्रयत्न करने की भी बात कही थी। लेकिन, सावरकर के माफीनामे, जिनमें से चौथा सावरकर बंधुओं में से एक को भेजे गांधी के उक्त पत्र के कुछ हफ्ते बाद, 1920 के मार्च में लिखा गया था, इसके विपरीत ब्रिटिश हुकूमत को इसका भरोसा दिलाते थे कि, ...लड़ाकू धारा में विश्वास करना तो दूर रहा...मैं तो शांतिपूर्ण तथा दार्शनिक अराजकता में भी हिस्सा नहीं लेता हूं...और हाल ही में मैंने कानूनी तथा संवैधानिक विकास का पक्षधर होने में अपनी निष्ठा तथा तत्परता का ऐलान सार्वजनिक रूप से किया है। यही नहीं, 2013 के अपने दूसरे माफीनामे ही वह, पिता तुल्य ब्रिटिश राज से अपनी गलती की माफी मांगते हुए, वह जो चाहे और जिस तरह चाहे, उसकी सेवा करने के लिए तैयार रहने का आश्वासन दे चुके थे!

प्रियंका ने दिलाई कांग्रेस को बढ़त

लड़की हूं, लड़ सकती हूं। बेहद गहरे अर्थों वाले इस सुंदर नारे के साथ प्रियंका गांधी ने उत्तरप्रदेश चुनाव में एक बड़ा दांव खेल दिया है। मंगलवार को प्रियंका गांधी लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस करने वाली हैं, ये बात पहले से तय थी। लेकिन ये अनुमान नहीं था कि वे क्या ऐलान कर सकती हैं, किन मुद्दों पर बात कर सकती हैं। भाजपा के साथ-साथ सपा और बसपा जैसे प्रतिद्वंद्वियों को प्रियंका गांधी की प्रेस कांफ्रेंस का इंतजार था। दरअसल लखीमपुर खीरी कांड के बाद जिस तरह प्रियंका गांधी ने सामने आकर मोर्चा संभाला, उसकी उम्मीद उनके विरोधियों को भी नहीं थी। एक ओर पीड़ितों के साथ संवेदना के साथ खड़े रहना और दूसरी ओर आक्रोश के साथ सरकार से जवाब मांगना। पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए सुबह होने का इंतजार करने की जगह आधी रात को ही निकल जाना, पुलिस हिरासत में रहना और फिर सरकार पर दबाव बनाना कि वह कार्रवाई करने में आनाकानी न करे, इन सबमें प्रियंका गांधी के एक अलग रुख से जनता का परिचय हुआ। जनता ने यह महसूस किया कि अधिकारों के लिए, न्याय के लिए लड़ना पड़ता है और अगर लड़की हो तो वो फिर यह लड़ाई और बढ़ जाती है। इससे पहले हाथरस कांड में भी प्रियंका गांधी ने इसी तरह लड़ाई लड़ी थी और पुलिस की बदसलूकी सरेराह झेली थी। अब चुनावों के पहले उन्होंने बाकायदा घोषणा की है कि कांग्रेस 40 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों को टिकट देगी। प्रियंका ने महिलाओं का

आह्वान करते हुए कहा कि आपके हक की लड़ाई लड़ने के लिए कोई और नहीं आएगा। आपको ही आगे आना होगा। इस प्रेस कांफ्रेंस में जब उनसे पूछा गया कि महिला प्रतिनिधि के नाम पर परिवार की महिला को लड़ाया जाता है। इसे कैसे रोकेंगी? तो प्रियंका ने इसके जवाब में कहा, इसमें कोई बुराई नहीं है, लड़ने के बाद महिलाएं सक्षम हो जाती हैं। यानी साफ है कि चाहे वंशवाद का आरोप लगे या महिला आरक्षण को लेकर तंज कसे जाएं, कांग्रेस अब पीछे हटने वाली नहीं है।

कांग्रेस के इस दांव से पहले ही चुनावी दौड़ में आगे आने के लिए बेचैन प्रतिद्वंद्वी दल अब और परेशान हो सकते हैं। उत्तरप्रदेश चुनाव में कांग्रेस अब तक कमजोर थी,ये तथ्य है। लेकिन अब इस बात की अनदेखी नहीं की जा सकती कि प्रियंका गांधी ने जिस तरह पहले कांग्रेस को ग्राम पंचायत स्तर से लेकर जिला समितियों तक सांगठनिक तौर पर मजबूत करने का काम किया और उसके बाद हर मोर्चे पर सरकार को घेरने के लिए खुद आगे आईं, उसने कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भरा है। भाजपा के नेता प्रियंका पर राजनैतिक पर्यटन करने का जो आरोप अब तक लगाते रहे हैं, ऐसे आरोपों की हवा भी अब निकलती नजर आ रही है।

प्रियंका गांधी ने 2019 में सोनभद्र में मारे गए लोगों के परिजनों के पास पहुंचने के लिए संघर्ष किया, 2020 में हाथरस पीड़िता के घर पहुंचने के लिए पुलिस की बाधाओं का सामना किया, 2021 में लखीमपुर खीरी में पीड़ित परिवारों तक पहुंचने के लिए वो सबसे पहले निकलीं और गिरफ्तार हुईं, इसके अलावा कभी महंगाई की मार पर, कभी बेरोजगारी के सवाल पर वो सरकार को घेरती रही हैं। कभी मौनव्रत, कभी धरना, कभी रैली, कभी पैदल मार्च, ये सारे काम किसी ऐसे नेता के नहीं हो सकते, जिसके लिए राजनीति घूमने-फिरने का बहाना हो। बल्कि ये सारे संघर्ष उस नेता के हो सकते हैं, जो जनता के दुख-दर्द में उसके साथ खड़े होने का हौसला दिखाए। प्रियंका गांधी में अब ऐसे ही राजनेता के दर्शन लोगों को हो रहे हैं। निश्चित ही उनके आगे आने से कांग्रेस में एक नई जान पड़ चुकी है।

जहां तक सवाल महिला उम्मीदवारों का है, तो इसका लाभ चुनावों में कितना मिल पाता है, ये तो नतीजे आने पर पता चलेगा। लेकिन इतना तय है कि इससे कांग्रेस विरोधी दलों के लिए धर्मसंकट पैदा हो गया है। अब अगर भाजपा, सपा या बसपा अपनी चुनावी रैलियों में महिला सशक्तिकरण की बात करेंगे तो उनसे सवाल किया जाएगा कि क्या वे भी महिला उम्मीदवारों के लिए टिकटों का कोटा तय करेंगे। अगर वे आनाकानी करते हैं, तो महिलाओं के बीच छवि खराब होने का खतरा रहेगा और अगर वो भी ऐसा ही कोई वादा करते हैं तो भी कांग्रेस से इस मामले में पिछड़े ही कहलाएंगे। कांग्रेस के लिए कम से कम महिला उम्मीदवारों के नाम पर दोनों ओर से जीत वाली स्थिति है। वैसे कांग्रेस हमेशा से महिला आरक्षण की हिमायती रही है।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर
फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से
जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर
हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर
चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के
आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी
लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें
देकर अपने जाने का ग़म दे
चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी
बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी
आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने
हमारे लिए हर चीज गवाह बन
जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी
की सबसे मीठी याद देकर चले
गए।
सच तो ये है कि आप हम
ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल
कठोर होता है वो कभी नहीं
रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में
पलकें भिगोते मैंने आपको
देखा है।
पिता की परिभाषा बदल
कठोरता को प्रेम में बदल कर
चले गए।
सच तो ये है की आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा
बचपन में ये हर मां बाप कहते
हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके
लिए आज भी इसलिए तड़पते
हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम
सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया
है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का,
उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच
अनजाने ही ये उम्मीद दे चले
गए।
सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।

क्या आपकी त्वचा भी होती है बार बार लाल

गर्मी, सनबर्न या रोसैसिया से संबंधित लाली के लिए, त्वचा की लाली के इलाज के लिए एक ठंडा स्नान एक अच्छा उपाय माना जाता है।

त्वचा की लाली का इलाज करने के लिए ठंडे पानी के स्नान या ठंडे संपीड़न का प्रयोग करें। गर्मी, सनबर्न या रोसैसिया से संबंधित लाली के लिए, त्वचा की लाली के इलाज के लिए एक ठंडा स्नान एक अच्छा उपाय माना जाता है। कूल कंप्रेस चेहरे की सूजन को कम करने और संवेदनशील त्वचा को राहत देने में मदद करता है।

» जो रेटिनोइड थेरेपी का उपयोग कर रहे हैं, उन्हें अत्यधिक धूप से बचना चाहिए और धूप से बचाव के लिए सनस्क्रीन का उपयोग जैसे एहतियाती उपाय करने चाहिए। सनस्क्रीन में मौजूद कई तरह के रासायनिक फिल्टर हानिकारक किरणों को अवशोषित करते हैं और टूट जाते हैं जिससे गर्मी निकल सकती है और यह लालिमा के लिए एक ट्रिगर हो सकता है।

» किसी भी तरह के स्किनकेयर उत्पादों को खरीदने से पहले, सामग्री को ध्यान से पढ़ें और अल्कोहल आधारित उत्पादों से बचें।

» त्वचा जो रूखेपन के कारण चिड़चिड़ी हो जाती है जिससे त्वचा लाल हो जाती है। नमी और तेल की पूर्ति करें। नमी में बंद करने के लिए स्नान के तुरंत बाद ग्लिसरीन युक्त उत्पाद लागू करें।

» संवेदनशील त्वचा के साथ, हाइपोएलर्जेनिक और सुगंध मुक्त विकल्प चुनें जो त्वचा को परेशान न करें। तेल आधारित क्लीन्ज़र का उपयोग करें क्योंकि वे बार-बार स्क्रब करने की आवश्यकता के बिना चेहरे पर मौजूद उत्पादों को हटाने में सक्षम होते हैं।

» सुगंध मुक्त उत्पाद चुनें - संवेदनशील त्वचा के प्रकार के लोग जो मजबूत सुगंध पर प्रतिक्रिया करते हैं, त्वचा के लिए हाइपोएलर्जेनिक और सुगंध मुक्त उत्पादों की तलाश करें, जो आवेदन पर किसी भी प्रकार की लाली से ग्रस्त हैं। मजबूत सुगंध वाले डियोड्रेंट, त्वचा क्रीम और सौंदर्य प्रसाधनों के उपयोग से बचने की कोशिश करें।

» विशेष रूप से बहुत लंबे समय तक गर्म स्नान न करें और उन्हें पूरी तरह से गुनगुने पानी के स्नान से बदल दें।

» ऐसे खाद्य पदार्थ जो त्वचा में रक्त के प्रवाह को बढ़ा सकते हैं, लाली पैदा कर सकते हैं, उनसे बचना चाहिए। चाय और कॉफी सहित मसालेदार भोजन, शराब और तापमान में गर्म पेय का सेवन करने से त्वचा की लालिमा प्रभावित हो सकती है, इसलिए हमेशा इससे बचें।

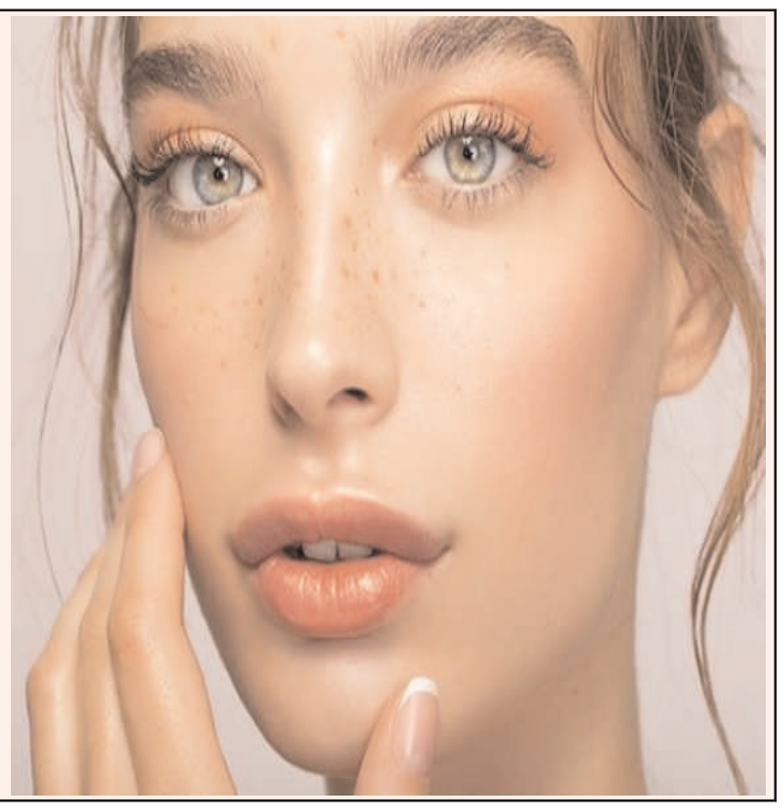

केवल स्किन के लिए नहीं बल्कि आपके बालों के लिए भी लाभदायक होता है एलोवेरा

एलोवेरा का उपयोग कई घरेलू उपचारों और उत्पादों में दशकों से किया जा रहा है और यहां 5 तरीके दिए गए हैं जिनका उपयोग आप अपने स्किनकेयर और हेयरकेयर रूटीन में कर सकते हैं। अपने शीतलन गुणों के लिए जाना जाता है, इस प्राकृतिक रूप से निकाले गए पत्ते में एक जेल जैसा अंदर होता है जो त्वचा की देखभाल और बालों की देखभाल की समस्याओं से निपटने में मदद करता है। सनबर्न से लेकर फ्रिज़ तक, एलोवेरा उस चमत्कारी घटक के रूप में जाना जाता है जो सभी की मदद करता है। यहां 5 तरीके दिए गए हैं जिनका उपयोग आप अपनी दिनचर्या में कर सकते हैं-

मुँहासे

एलोवेरा एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है जो पिंपल्स और मुंहासों को कम करने में मदद करता है। यह घर पर मुंहासों से निपटने के सबसे आसान और प्रभावी तरीकों में से एक है।

बालों की ग्रोथ

प्राकृतिक एंजाइमों से भरा एलोवेरा स्कैल्प को साफ रखता है और बालों के रोम में गहराई तक रिसता है। यह बदले में, बालों के विकास को बढ़ावा देने के लिए एक शानदार तरीके के रूप में काम करता है। एलोवेरा की अच्छाई से निष्क्रिय और मृत रोम को भी वापस जीवन में लाया जा सकता है।

अंडर आई क्रीम

क्या आप भी आंखों के नीचे के काले धब्बों से परेशान है। विटामिन ई के साथ एलोवेरा जेल का प्रयोग करें और यह उन आंखों पर काम करते हुए काले घेरे को कम करने में मदद करेगा।

उलझे हुए बाल

अगर आपके बाल झड़ते हैं, तो आपको बस इतना करना है कि एलोवेरा जेल को नारियल के तेल के साथ फेंटें और अपने बालों में 30 मिनट के लिए छोड़ दें। अपने सामान्य तरीके से कुल्ला करें और देखें कि इससे आपके बालों पर क्या फर्क पड़ता है।

फिर्मेंटेशन

फिर्मेंटेशन तब होता है जब आपकी त्वचा में मेलेनिन की अधिक मात्रा के कारण पूरे चेहरे पर काले धब्बे हो जाते हैं। रोजाना सोने से पहले एलोवेरा का इस्तेमाल करने से न सिर्फ त्वचा की रंगत निखरेगी बल्कि मुंहासों के निशान भी कम होंगे।

फेशियल से जुड़ी टिप्स के बारें में जानें

आज के समय में हर महिला और पुरुष दोनों ही अपनी त्वचा को लेकर बेहद ही चिंतित रहते है, ऐसे में बात फेशियल की आए तो इस बात का ध्यान दिया जाना चाहिए की हम किस टाइप का फेशियल प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहिए.....

क्लासिक फेशियल

इसे क्लीन अप 101 भी कहा जाता है। शुष्क, सुस्त और सामान्य त्वचा वाले लोगों के लिए सबसे अच्छी चिकित्सा। यह छिद्रों को गहराई से साफ करने, ब्लैकहेड्स को बाहर निकालने और नमी में बंद करने में मदद करता है। इस प्रक्रिया में मलाईदार सूत्र और भाप का उपयोग किया जा सकता है।

हाइड्रा फेशियल

हाई हाइड्रेशन अलर्ट! यह तकनीक के उपयोग पर पनपता है जिसमें एक हाथ उपकरण की तरह एक वैक्यूम का उपयोग गंक को निकालने के लिए किया जाता है जिससे आपके छिद्र सांस लेने के लिए खुले रहते हैं और यह धीरे-धीरे आवश्यक हाइड्रेटिंग अवयवों को छोड़ देता है। यह अत्यधिक निर्जलित त्वचा के लिए लक्षित उपचार की तरह है।

तीव्र स्पंदित प्रकाश

यहां का जादू प्रकाश में है और हमें लगता है कि यह समय पिछड़ने का है। यह लेजर उपचार का एक रूप है जहां विशेषज्ञ आपकी त्वचा की बाहरी परत पर चलने के लिए प्रकाश का उपयोग करता है जिसके माध्यम से मुँहासे, दोष, झुर्रियां, काले धब्बे इत्यादि को लक्षित करने के लिए आपकी त्वचा की परतों में रिसना संभव हो जाता है। ए मुँहासे-प्रवण, उम्र बढ़ने और रंजित त्वचा के लिए अवश्य प्रयास करें।

अरोमाथेरेपी तेल

जबकि अरोमाथेरेपी के लाभों को तनाव से राहत देने और रक्त परिसंचरण में सुधार करने के लिए कहा जाता है, चेहरे के तेल समय-परीक्षण और सिद्ध-से-लाभकारी अवयवों के साथ तैयार किए जाते हैं जिन्हें कम करने में एक विशेष समस्या होती है। यह प्राचीन प्रथा त्वचा के समग्र स्वास्थ्य को फिर से जीवंत और बेहतर बनाने वाली बढ़ती मांगों को प्राप्त करना जारी रखती है।

एलईडी लाइट थेरेपी

एलईडी रोशनी सूजन, सुस्त त्वचा, और मुँहासे, उम्र बढ़ने, चमक की कमी, या कठोर यूवीए और यूवीबी किरणों के कारण क्षतिग्रस्त त्वचा के लिए एक तारणहार के रूप में काम करती है। इसमें आवश्यक कार्यों के लिए बहुरंगी रोशनी की तरंग दैर्ध्य का उपयोग शामिल है।

घी के इस्तेमाल से निखरेगी अपनी

घी निर्विवाद रूप से एक चमत्कारी पदार्थ है जो फटे होंठों, शुष्क त्वचा और बालों को पोषण और शांत करने में मदद करने के लिए फैटी एसिड के साथ समायोजित किया जाता है।

अगर आपकी त्वचा तैलीय है, तो थोड़ा सा घी लें और अपनी त्वचा पर धीरे से लगाएं, और इसकी चिकनाई के कारण इसे अधिक समय तक न रखें। यह आपकी त्वचा और बालों को भी आकर्षक बना सकता है और नीरसता को दूर रखते हुए पर्याप्त चिकनाई और चमक के साथ समग्र बनावट में सुधार कर सकता है।

सूखी त्वचा के लिए सामग्री

1/2 टेबल स्पून ऑर्गेनिक घी
2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल
एक चुटकी हल्दी (प्राकृतिक चमक के लिए)

प्रक्रिया: दोनों सामग्रियों को मिलाएं और क्रीमी मिश्रण को साफ किए हुए चेहरे और गर्दन पर लगाएं। त्वचा को रूखा होने से बचाने के लिए इसे हफ्ते में दो बार दोहराएं।

डार्क सर्कल्स के लिए सामग्री

1 छोटा चम्मच घी
1/2 छोटा चम्मच आलू का रस

प्रक्रिया: एक कॉटन स्वैब लें और इसे मिश्रित मिश्रण में डुबोएं। इसे अपने अंडर एरिया पर लगाएं और 20 मिनट बाद धो लें।

रंजित और सूखे होंठों के लिए सामग्री

1 छोटा चम्मच घी
1/2 छोटा चम्मच चुकंदर का रस
2 बूंद जोजोबा तेलड्ड

प्रक्रिया: लिप मास्क बनाएं और इसे अपने होठों पर फैलाने के लिए अपनी उंगलियों का उपयोग करें। इसे 2 मिनट के लिए मालिश करें ताकि यह आपके होठों को अत्यधिक नम और मुलायम बनाए बनाएं।

कुपोषित बालों के लिए सामग्री

2 टेबल स्पून घी
1 बड़ा चम्मच नारियल का दूध
2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल

प्रक्रिया: सामग्री को मिलाएं और उन्हें एक हेयर मास्क बनाने के लिए हिलाएं। अपने बालों को कोट करने के लिए पेस्ट का प्रयोग करें और 30 मिनट के बाद उन्हें ठंडे पानी से धो लें।

इंडोनेशिया में अजान धीमी हुईः 70 हजार मस्जिदों में लाउड स्पीकर की आवाज घटाई गई

लोग चिड़चिड़ेपन की शिकायत कर रहे थे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज जकार्ता

मुस्लिमों की सबसे बड़ी- 21 करोड़, आबादी वाले इंडोनेशिया में अजान के लाउडस्पीकर्स की आवाज घटाई गई है। तेज आवाज से परेशान लोगों को राहत देने के लिए यह पहल इंडोनेशिया मस्जिद परिषद ने की है। परिषद के अध्यक्ष यूसुफ काल्ला ने बताया कि देश की 7.5 लाख से ज्यादा मस्जिदों में से ज्यादातर का साउंड सिस्टम ठीक नहीं है। अजान की आवाज तेज आती है, ऐसे में परिषद ने 7 हजार टेक्निशियंस को काम पर लगाया और देश की लगभग 70 हजार मस्जिदों के लाउडस्पीकर्स की आवाज कम की है। यूसुफ का कहना है कि इसके लिए कमेटी भी बनाई गई है। परिषद के समन्वयक अजीस का कहना है कि अजान की तेज आवाज इस्लामिक परंपरा है, ताकि आवाज दूर-दराज तक जाए।

लाउडस्पीकर्स की आवाज कम करना पूरी तरह से स्वैच्छिक

जकार्ता की अल-इकवान मस्जिद के चेयरमैन अहमद तौफीक का कहना है कि लाउडस्पीकर्स की आवाज कम करना पूरी तरह से स्वैच्छिक है, हम सामाजिक सौहार्द बनाए रखना चाहते हैं। वहीं हिदातुल्ला यूनिवर्सिटी के अली ने कहा कि कई लोग लाउडस्पीकर्स की तेज आवाज को गलत ढंग से धार्मिक जरूरत समझ लेते हैं। मस्जिद परिषद की पहल के बाद अब हजारों मस्जिदों के लाउडस्पीकर्स की आवाज कम हो गई है। आसपास रहने वाले लोगों को भी अब शिकायत नहीं है। बता दें पिछले कुछ समय से देश में अजान के लाउडस्पीकर्स की तेज आवाज को लेकर विरोध के स्वर उठने लगे थे। ऑनलाइन शिकायतों की संख्या भी बढ़ गई थी। लोगों का कहना था कि लाउडस्पीकर्स की तेज आवाज से उनके मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है।

ईशनिंदा कानून का भी डर

ये मुद्दा संवेदनशील होने से कई लोग विरोध दर्ज कराने से बचते थे। देश में ईशनिंदा के कानून में सख्त सजा का प्रावधान है। अजान की तेज आवाज के विरोध पर 4 बच्चों की मां को डेढ़ साल की सजा हो चुकी है। जकार्ता में कुछ लोगों ने तेज आवाज की शिकायत की, तो हजारों लोगों की भीड़ ने उनके अपार्टमेंट को ही घेर लिया था। तब सेना बुलानी पड़ी थी।

जर्मनी के कोलोन शहर में मस्जिद में लाउडस्पीकर से अजान का विरोध

उधर जर्मनी में भी लाउडस्पीकर से अजान का विरोध हो रहा है। देश के सबसे बड़े शहरों में शामिल कोलोन की मेयर ने पिछले शुक्रवार को मस्जिद में लाउडस्पीकर से अजान के प्रसारण की मंजूरी दी थी। उनके इस कदम की देश की धुर दक्षिणपंथी स्नष्ठ पार्टी ने सख्त आलोचना की है। पार्टी के उप प्रवक्ता मैथियस बुशग्स का कहना है कि जर्मनी के इस्लामीकरण की कोशिश की जा रही है। इस कदम से ऐसी छवि बन रही है कि हमारा देश ईसाई नहीं है, लेकिन इस्लामिक जरूर है। बता दें कि कोलोन में 1.2 लाख मुस्लिम रहते हैं, यह शहर की कुल आबादी का 12प्रतिशत हैं।

बॉर्डर पर चीन की हरकतें तेजः अरुणाचल से लगी सीमा पर सैन्य क्षमताओं वाले गांव बसा रहा ड्रैगन, भारत भी पूरी तरह तैयार

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

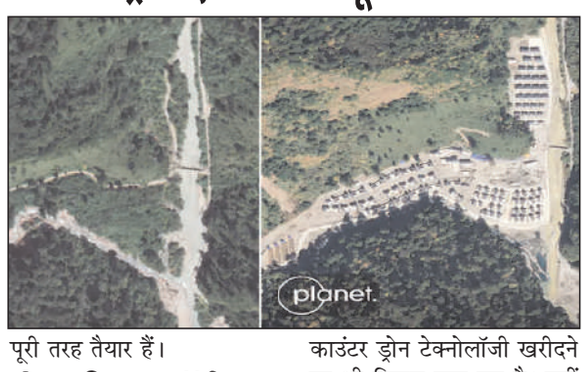

चीन ने अरुणाचल प्रदेश में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर सेना की तैनाती और कंस्ट्रक्शन गतिविधियां तेज कर दी हैं। बॉर्डर के पास चीन ऐसे गांव बना रहा है जो सैन्य गतिविधियों के लिए भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं। भारत भी चीन की इन हरकतों को ध्यान में रखते हुए अपनी स्ट्रैटजी बना रहा है। ये जानकारी ईस्टर्न आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे ने दी है। जनरल पांडे ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में चीन की मिलिट्री एक्सरसाइज की तेजी और समय में इजाफा हुआ है। ऐसे में भारतीय सेना किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है और इसके लिए बहुत उच्च स्तर की तैयारी है। चीन से लगी 1300 किमी सीमा पर भारतीय सेना की तैयारियों को देख रहे जनरल पांडे ने बताया कि सेना की माउंटेन स्ट्राइक कोर ने पूरी तरह काम करना शुरू कर दिया है। इस कोर ने इंटीग्रेटेड ट्रेनिंग भी की है और इसकी सभी यूनिट पूरी तरह तैयार हैं।

चीन-पाकिस्तान बॉर्डर पर मजबूत होगी भारतीय सेना

उन्होंने जानकारी दी कि सेना के आधुनिकीकरण के लिए इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप (ढ्ढक्चद्द) की मंजूरी दी जा चुकी है। ये ग्रुप तेजी से और ज्यादा असरदार तरीके से आगे बढ़ने में सक्षम हैं। इनमें सैनिक, तोप, एयर डिफेंस, टैंक और लॉजिस्टिक यूनिट्स शामिल हैं। इससे चीन और पाकिस्तान सीमा पर भारतीय सेना की युद्ध क्षमताओं में इजाफा होगा। जनरल पांडे का कहना है कि पूर्वी इलाके में चीन की बराबरी के लिए उपकरण बढ़ाए जा रहे हैं। इसके साथ ही काउंटर ड्रोन टेक्नोलॉजी खरीदने पर भी विचार चल रहा है। वहीं फॉरवर्ड इलाकों में सेना की क्षमताएं बढ़ाने के लिए नए लॉजिस्टिक स्टोर बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है।

अरुणाचल प्रदेश में पिछले महीने हुई थी झड़प

अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में पिछले महीने भारतीय जवानों की चीन के सैनिकों से झड़प हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अरुणाचल प्रदेश में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (रुष्ट) पर चीन के 200 सैनिक तिब्बत की तरफ से भारतीय सीमा में घुस आए थे, जिन्हें भारतीय जवानों ने खदेड़

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास रांची के मोरहाबादी मैदान में राज्य सरकार के खिलाफ अनिश्चितकालीन हड़ताल के दौरान राज्य पुलिस के सहायक पुलिस कांस्टेबलों से मिले।

तलाक के बाद खुल रहे राज:शादी के बाद भी फ्लर्ट किया करते थे बिल गेट्स, डेट पर जाने को महिला ठकर्मचारी को भेजते थे ईमेल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक और दुनिया की सबसे अमीर हस्तियों में शामिल बिल गेट्स की निजी जिंदगी के बारे में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। बिल गेट्स मेलिंडा से शादी के बाद भी फ्लर्ट किया करते थे। 2008 में उन्होंने अपनी एक महिला सहकर्मी को ईमेल भेजकर डेट पर चलने को कहा था। इस मेल के बारे में पता चलाने पर कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों ने गेट्स को चेतावनी दी थी। माइक्रोसॉफ्ट के प्रवक्ता ने बताया कि गेट्स ने

महिला कर्मचारी को अंतरंग ईमेल भेजे थे। बिल ने महिला कर्मचारी को ऑफिस से बाहर मिलने को कहा था। ईमेल के बारे में जानकारी होने पर कंपनी के अधिकारियों ने गेट्स को चेतावनी देते हुए कहा था कि उनका व्यवहार अनुचित है। कंपनी का कहना था कि किसी भी महिला कर्मचारी को इस प्रकार के ईमेल भेजना ठीक नहीं।

बिल गेट्स ने ईमेल भेजने की बात को मानी

अधिकारियों ने कंपनी के बोर्ड के कुछ सदस्यों को भी इसके बारे में जानकारी दी थी। जब गेट्स ने यह मेल भेजे, उस समय वह कंपनी में पूर्णकालिक कर्मचारी और कंपनी के चेयरमैन थे। माइक्रोसॉफ्ट के अनुसार बिल गेट्स ने ईमेल भेजने की बात को स्वीकार भी किया था। उन्होंने कंपनी के बोर्ड से आगे से महिला कर्मी को ईमेल नहीं भेजने का आश्वासन भी दिया था। एक रिपोर्ट के अनुसार बिल गेट्स के इस आश्वासन के बाद कंपनी ने उन पर कोई कार्रवाई नहीं की थी।

न्यूज ब्रीफ

7 से 9 साल के एक तिहाई बच्चे सोशल मीडिया पर, 40त्न पेरेंट्स ने माना- वे निगरानी नहीं रख पाते हैं

मिशिगन ।ञ्सोशल मीडया ने छोटे बच्चों को अपने शिकंजे में जकड़ लिया है। अमेरिका की मिशिगन यूनिवर्सिटी के एक सर्वे के अनुसार 7 से 9 वर्ष आयुवर्ग के एक तिहाई और 10 से 12 साल के लगभग आधे बच्चे सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं। सर्वे में शामिल इन बच्चों के 40त्न बच्चों के पेरेंट्स ने मजबूरी जताई कि वे बच्चों पर निगरानी नहीं रख पाते हैं। हालात यहां तक है कि इस 12 वर्ष तक की आयुवर्ग के हर छह में से एक बच्चे बिना पेरेंटल लॉक वाले एप्स का उपयोग करते हैं। जबकि पेरेंट्स का सबसे बड़ा डर ये रहता है कि उनके बच्चे सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने के दौरान गलत वेबसाइट्स पर नहीं जाएं। इसमें पोर्न साइट्स और अश्लील वेबसाइट शामिल हैं। अमेरिका में स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट्स घर घर में मौजूद हैं।

अमेरिका में टिकटॉक और इंस्टाग्राम बच्चों में सबसे ज्यादा लोकप्रियः अक्सर अभिभावक बच्चों को ये सभी गैजेट्स देते हैं। सर्वे के अनुसार वर्तमान में अमेरिका में टिकटॉक और इंस्टाग्राम बच्चों में सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। इन एप्स में बच्चों के लिए हानिकारक मानी जाने वाली सामग्री आसानी से उपलब्ध रहती है। सर्वे की सह समन्वयक साराह क्लार्क ने बताया कि अमेरिकी समाज में लोगों में ये बहस का विषय है कि बच्चों को किस उम्र और कितनी देरी के लिए मोबाइल और अन्य गैजेट्स देने चाहिए। लेकिन सोशल मीडिया का खतरा बना रहता है। सर्वे में सामने आया कि 10 से 12 वर्ष आयुवर्ग के 18 फीसदी अभिभावक अपने बच्चों को कोई भी एप चलाने ही नहीं देते हैं। अधिकांश अभिभावक बच्चों को बना पेरेंटल लॉक वाले सोशल मीडिया एप्स चलाने की अनुमति देने के पक्षधर भी नहीं थे।

मुरादाबाद में पानी भरी सड़क से गुजरती एक बस।

पंजाब में कांग्रेसी MLA की गुंडागर्दी:विकास कार्यों के बारे में युवक ने पूछा- तो कर दी पिटाई, अपने गनमैनों से भी पिटवाया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज जालंधर

पंजाब में पठानकोट की भोआ विधानसभा सीट से कांग्रेसी रूरू जोगिंदर पाल की गुंडागर्दी सामने आई है। अपने काम के कसीदे पढ़ रहे विधायक को युवक ने विकास के बारे में पूछा। इस दौरान युवक ने विधायक के लिए तू कहा तो वह आग-बबूला हो उठे। विधायक इस कदर भड़क उठे कि युवक की वहां जमा भीड़ के आगे ही पिटाई करनी शुरू कर दी। इसे बाद गनमैनों से भी युवक को खूब पिटवाया। यह वीडियो नवरात्रों के समय का रात के वक्त जागरण के समय का बताया जा रहा है। कांग्रेसी विधायक जोगिंदर पाल जैन धार्मिक समागम में शामिल होने पहुंचे थे। यहां वो अपने काम की तारीफ कर रहे थे। जिसे सुनते हुए ही युवक दूर से पूछने लगा कि विधायक होकर उसने क्या किया? यह सुनकर पहले तो पुलिस ने उसे रोक दिया। उसे बाहर निकाला जाने लगा। यह देख विधायक जोगिंदर पाल ने कहा कि उस युवक को कुछ नहीं कहना। अगर उसे कुछ कहना है तो वो आकर कहे। इसके बाद उसे आगे बुलाया और अपना माइक भी पकड़ाया। युवक ने विधायक को पूछा कि तू की कीता (तूने क्या किया)?। तू शब्द सुनकर विधायक भड़क उठे। उन्होंने सीधे युवक को थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद गनमैन और कांग्रेसी समर्थक भी इकट्?ठा हो गए और उससे मारपीट करने लगे।

एक्ट्रेस कुब्रा सैत और फिल्म मेकर संजय गुप्ता ने आर्यन की गिरफ्तारी पर किया रिएक्ट बोले- बच्चे की गिरफ्तारी संदिग्ध है

मुंबई ।ञ्एक्ट्रेस कुब्रा सैत और डायरेक्टर ने हाल ही में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के चल रहे क्रूज ड्रग बस्ट मामले में आरोपी शाहरुख के बेटे आर्यन खान की गिरफ्तारी और जेल में रखे जाने पर अपना रिएक्शन दिया है। कुब्रा का कहना है कि हम डरावने समय में जी रहे हैं। वहीं संजय ने आर्यन की गिरफ्तारी को संदिग्ध बताया है। बता दें, आर्यन खान की जमानत याचिका पर आज फैसला आ सकता है। आर्यन खान को ह्रष्टक्चने 2 अक्टूबर को क्रूज पर चल रही रेव पार्टी से गिरफ्तार किया था और वह अभी आर्थर रोड जेल में बंद हैं। कुब्रा ने अपने एक इंटरव्यू में बताया कि, लोगों को अब सच्चाई जानने में कोई दिलचस्पी नहीं है। हम आज डरावने समय में जी रहे हैं, जहां लोग फैसला लेने के लिए जल्दी में रहते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि हमें इस बात का एहसास नहीं है कि हम टीआरपी के लिए जो कर रहे हैं वह किसी की जिंदगी बर्बाद कर रहा है।

ब्रेकथ्रू डेथः पॉवेल की मौत के बाद सवाल; वैज्ञानिक बोले- दोनों डोज के बाद मृत्यु दर महज 0.2प्रतिशत

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज न्यूयार्क

अमेरिका के पूर्व विदेश कॉलिन पॉवेल के निधन ने अमेरिका ही नहीं दुनियाभर में कोरोना वैक्सीन के असर को लेकर नई बहस शुरू कर दी है। पॉवेल 84 साल के थे। उनका इसी सोमवार को कोरोना संक्रमण से निधन हुआ था। पॉवेल इस साल फरवरी में ही कोरोना टीके की दोनों खुराकें ले चुके थे। पॉवेल की मृत्यु को ब्रेकथ्रू डेथ कहा जा रहा है। हालांकि वैज्ञानिकों ने इन आशंकाओं और बहस के आधारों को खारिज किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि दोनों डोज से अस्पताल में भर्ती होने की दर में काफी कमी आती है। वैज्ञानिकों के अनुसार बीते दिनों 40 राज्यों के आंकड़ों के विश्लेषण में पाया कि इन राज्यों में कोरोना से हुई कुल मौतों में टीके की दोनों खुराकें के बाद सिर्फ 0.2 से छह प्रतिशत ही है। डॉ. पॉल ओफिट का कहना है कि 'कुछ भी 100 फीसदी प्रभावी नहीं होता। वैक्सीन प्रभावी है। इससे मौत का जोखिम कम होता है।'

वैज्ञानिकों के अनुसार बीते दिनों 40 राज्यों के आंकड़ों के विश्लेषण में पाया कि इन राज्यों में कोरोना से हुई कुल मौतों में टीके की दोनों खुराकें के बाद सिर्फ 0.2 से छह प्रतिशत ही है।

क्या है ब्रेकथ्रू इंफेक्शन

वैक्सीन की दोनों डोज लगवाने के बाद भी संक्रमण को ब्रेकथ्रू इंफेक्शन कहते हैं। इस संक्रमण के कारण होने वाली मृत्यु को ब्रेकथ्रू डेथ कहा जाता है।

अध्ययन भरोसा बढ़ाते हैं

सीडीसीपी के आंकड़ों के अनुसार अमेरिका में 18.7 करोड़ से अधिक लोग कोरोना टीके की दोनों खुराकें ले चुके हैं। इनमें 7,178 लोगों की टीके के बाद कोरोना से मौत हुई है। इनमें भी 85 प्रतिशत से अधिक लोग 65 साल या उससे अधिक उम्र के थे।

सीडीपीसी का अध्ययन बताता है टीके के बाद 10 लोगों में एक के ही संक्रमित होने पर अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आती है।

न्यूजीलैंड में रिकॉर्ड केस, रूस में रिकॉर्ड 1015 मौतें

न्यूजीलैंड में मंगलवार को 18 महीने बाद एक दिन में रिकॉर्ड 98 नए केस मिले। विशेषज्ञों के अनुसार संक्रमण के सामुदायिक प्रसार के स्रोत का पता नहीं चल पाया है। उधर, रूस में एक दिन में रिकॉर्ड 1015 मौतें हुईं। सरकार ने एक सप्ताह के वर्क प्लेस लॉकडाउन का ऐलान किया है।

भारत तिब्बत सहयोग मंच के सदस्यों ने भारत पर चीन के हमले की 58वीं बरसी के अवसर पर नई दिल्ली में प्रदर्शन किया।

न्यूज ब्रीफ

सिंधू को ऑल इंग्लैंड खिताब जीतने पर ध्यान देना चाहिए : प्रकाश पादुकोण

मुंबई। अपने जमाने के दिग्गज खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण ने मंगलवार को कहा कि भारतीय स्टार पी वी सिंधू अभी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ी है लेकिन उन्हें ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप जीतने पर ध्यान देना चाहिए जिसे वह अभी तक नहीं जीत पायी हैं। ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली सिंधू मौजूदा विश्व चैंपियन है। उन्होंने सभी बड़ी प्रतियोगिताएं जीती हैं लेकिन अभी तक ऑल इंग्लैंड का खिताब नहीं जीत पायी हैं। भारत के पहले ऑल इंग्लैंड चैंपियन पादुकोण ने कहा, 'अगर मैं उनकी (सिंधू) जगह होता तो मेरी प्राथमिकता यह खिताब (ऑल इंग्लैंड) जीतना होता। यह एकमात्र खिताब है जिसे वह नहीं जीत पाई है बाकी मुझे लगता है कि उसने शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, 'वह सर्वश्रेष्ठ बैडमिंटन खिलाड़ी है। उसने प्रत्येक टूर्नामेंट जीता है। ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप। ऑल इंग्लैंड ऐसा है जो उसकी ट्राफियों में शामिल नहीं है।

वेस्टइंडीज टीम में फैबियन एलन की जगह इस खिलाड़ी को मिली जगह, ICC ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2021 की इवेंट टेक्निकल कमेटी ने वेस्ट इंडीज टीम में फैबियन एलन के प्रतिस्थापन के रूप में अकील होसेन को मंजूरी दी है। बाएं हाथ के स्पिनर होसेन ने 9 एकदिवसीय और छह टी20 इंटरनेशनल मैच खेले हैं। एलन को टखने की चोट के कारण बाहर होना पड़ा है। कोविड-19 को देखते हुए टीमों को अतिरिक्त खिलाड़ियों के साथ यात्रा करने के लिए भत्ते के अनुसार होसिन रिजर्व था। रिजर्व सूची में होसीन की जगह अनकैप्ड गुडाकेश मोती होंगे। किसी खिलाड़ी के प्रतिस्थापन के लिए इवेंट तकनीकी समिति की स्वीकृति की आवश्यकता होती है, इससे पहले कि प्रतिस्थापन खिलाड़ी को आधिकारिक तौर पर टीम में जोड़ा जा सके।टी20 वर्ल्ड कप 2021 की इवेंट टेक्निकल कमेटी में क्रिस टेटली (हेड ऑफ़ इवेंट्स, चेयर), क्लाइव हिचकॉक (ICC सीनियर क्रिकेट ऑपरेशंस मैनेजर), राहुल द्रविड़ और धीरज मल्होत्रा , साइमन डोल, इयान बिशप और (स्वतंत्र सदस्य) शामिल हैं। वेस्टइंडीज टीम की बात करें तो वे टी20 विश्व कप 2021 में सुपर 12 दौर में अपनी यात्रा की शुरुआत करेंगे, जब वे 23 अक्टूबर को इंग्लैंड के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेंगे। वे टी20 विश्व कप के गत चैंपियन हैं और टूर्नामेंट में एक के रूप में प्रवेश करेंगे। उन्होंने देर से टी20आई में भी शानदार फॉर्म प्रदर्शित किया है और उनके अधिकांश खिलाड़ी हाल ही में समाप्त हुए सीपीएल और आईपीएल 2021 का हिस्सा थे।

वेस्टइंडीज टीम: कीरोन पोलार्ड (कप्तान), निकोलस पूरन (वीसी), अकील होसेन, ड्वेन ब्रावो, रोस्टन चेज, आंद्रे फ्लेचर, क्रिस गेल, शिमरोन हेटमायर, एविन लुईस, ओबेद मैककॉय, लेंडल सिमंस, रवि रामपॉल, आंद्रे रसेल, ओशाने थॉमस, हेडन वॉल्श जूनियर।

बुमराह के यॉर्कर किंग बनने की कहानी

क्रिकेट एकेडमी गए ही नहीं, टीवी पर क्रिकेट देखकर ही बन गए दुनिया के सबसे खतरनाक गेंदबाज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टीम इंडिया के यॉर्कर किंग जसप्रीत बुमराह इस समय विश्व के सबसे बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक हैं। उनकी यॉर्कर गेंदों को खेलने में अच्छे-अच्छों के पसीने छूट जाते हैं। श्वस्क्ह क्रिकइन्फो पर बुमराह की एक वीडियो स्टोरी शेयर की गई है। इस स्टोरी में बताया गया है कि बुमराह कैसे यॉर्कर किंग बने। आपको जानकर हैरानी होगी कि बुमराह ना तो किसी क्रिकेट स्कूल गए और ना ही किसी टॉप की क्रिकेट एकेडमी का हिस्सा रहे हैं।

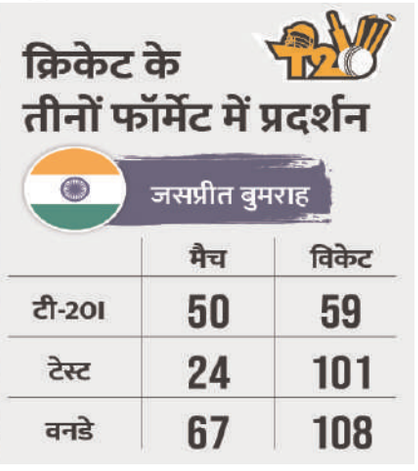

टीवी देखकर तेज गेंदबाजी सीखते थे बुमराह

स्टोरी में बताया गया है कि बुमराह के %कोच% वसीम अकरम, वकार यूनुस, एलन डोनाल्ड, ब्रेट ली और शोएब अख्तर थे। बुमराह इन खतरनाक गेंदबाजों के दहशत पैदा करने वाले यॉर्कर को टीवी पर देखते और फिर घर की दीवार पर अभ्यास करते थे।

5 साल के थे जब पिता का साया सर से उठ गया

जसप्रीत 5 साल के थे जब उनके पिता इस दुनिया से चल बसे। उसके बाद उनकी मां ने ही उनको संभाला। बचपन में घर में पूरे दिन वो गेंदबाजी करते। शोर के कारण मम्मी की नींद ना टूटे इसलिए उनका निशाना दीवार और जमीन के बीच चौकठ पर रहता। इसी कारण यॉर्कर उसी वक्त से उनकी जिंदगी का हिस्सा बन गया। सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी के अपने दूसरे मैच के बाद ही बुमराह को मुंबई इंडियंस से बुलावा आ गया। कुछ दिन पहले बुमराह ने एक इंटरव्यू में कहा था कि अगर वह आज टीम इंडिया में खेल रहे हैं तो इसका पूरा श्रेय जॉन राइट को जाता है। टीम इंडिया के पूर्व कोच रहे जॉन राइट जब मुंबई इंडियंस के साथ जुड़े थे, तब बुमराह को उन्होंने ही मुंबई इंडियंस के लिए सिलेक्ट किया था। टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के सबसे महत्वपूर्ण गेंदबाज

जसप्रीत बुमराह टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के सबसे महत्वपूर्ण गेंदबाज हैं। ये खिलाड़ी शुरू के ओवर और डेथ ओवर दोनों में गेंदबाजी कर सकता है। पिछले कुछ सालों में बुमराह ने अपनी गेंदबाजी से पूरे विश्व में अपना लोहा मनवाया है। टीम इंडिया को वर्ल्ड कप में इस गेंदबाज से काफी उम्मीदें होंगी।

आईपीएल से यूएई को अरबों का फायदा

2014 में होटल और टूरिज्म से यूएई ने कमाए थे 295 करोड़

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दुबई में 24 अक्टूबर को होने वाले भारत-पाकिस्तान मैच के लिए टूरिस्ट पहुंचने लगे हैं। होटल्स की ऑक्यूपेंसी फुल हो गई हैं। प्रीमियम सेगमेंट से लेकर मिडिल सेगमेंट की होटल्स मेहमानों की आमद से खुश हैं। 2020 ने इस इंडस्ट्री को निराश किया था, 2021 इस इंडस्ट्री को नुकसान की भरपाई करने का मौका दे रहा है। इसमें सबसे ज्यादा भूमिका निभाई है आईपीएल ने। असल में आईपीएल फाईनल देखने बड़ी संख्या में लोग भारत और अमेरिका, सउदी अरब, कनाडा जैसे देशों से दुबई पहुंचे। इसलिए हमने ग्राउंड रियालिटी जानने के लिए बात की टूरिज्म और होटल इंडस्ट्री से जुडे कुछ लोगों से-

ग्लोबल कंसलटेंसी केपीएमजी के मुताबिक IPL 2014 ने यूएई की इकोनॉमी को 147.5 मिलियन दिरहम का फायदा कराया। एक दिरहम यानी 20 रुपए। 147.5 मिलियन दिरहम यानी करीब 295 करोड़ रुपए। इसमें बड़ा फायदा होटल इंडस्ट्री और टूरिज्म को मिला।

आईपीएल 2020: वैश्विक महामारी के चलते 2020 में आईपीएल का आयोजन फिर से दुबई में हुआ और इस साल आईपीएल ने 2014 की तुलना में यूएई की अर्थव्यवस्था को कम कॉन्ट्रिब्यूट किया। इस आईपीएल ने लगभग 85 मिलियन दिरहम, यानी 171 करोड़ रुपए का कॉन्ट्रिब्यूशन दिया। इसमें होटल इंडस्ट्री को वैश्विक महामारी से लगे झटके से उबरने में मदद मिली।

आईपीएल 2021: कोरोना की दूसरी लहर के चलते भारत में आईपीएल स्थगित हुआ और एक बार फिर दुबई पहुंचा। वैश्विक महामारी के चलते नए प्रोटोकॉल लागू किये गए। 14 बॉयलॉजिकल बबल में टीम और सहयोगियों को ठहराया गया। आधी कैपिसिटी में स्टेडियम में दर्शक भी आए, इस आईपीएल ने इकोनॉमी को कितना कॉन्ट्रिब्यूशन दिया इसके आंकड़े अभी स्पष्ट नहीं है। इस बार भी होटल इंडस्ट्री को आयोजन का लाभ निश्चित तौर पर मिल रहा है।

आईपीएल यूएई में ही क्यों?

बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीयों की दुबई में मौजूदगी यहां क्रिकेट का जुनून बढ़ा देती है। यहां के मूल निवासियों में भले ही क्रिकेट का शौक कम हो, लेकिन सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय होने के कारण क्रिकेट यहां बहुत पसंद किया जाता है लिहाजा आयोजकों को अच्छा रिस्पांस मिलता है।

टूरिस्ट क्यों दुबई आ रहे हैं

यूएई की अर्थव्यवस्था और उसमें भी दुबई की अर्थव्यवस्था में टूरिज्म का बड़ा योगदान है। इंडियन प्रीमियम लीग जब यूएई में होती है तो न केवल भारत में रहने वाले भारतीय, बल्कि अन्य देशों में बसे भारतीय भी बड़ी संख्या में मैच देखने आते हैं जिसका फायदा ओवरऑल टूरिज्म इंडस्ट्री को मिलता है। गौरतलब है कि भारत से सबसे ज्यादा टूरिस्ट हर साल दुबई पहुंचते हैं। अन्य देशों से भी प्रवासी भारतीय घूमने यहां आते हैं, लेकिन ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया जो कि अन्य देशों की नागरिकता ग्रहण कर वहां के पासपोर्टधारक बन जाते हैं उनका हेडकाउंट अन्य देशों से आने वाले पर्यटकों में होता है।

हार के बाद भी ओमान के खिलाड़ी ने जीता दिल

» अजूबे से कम नहीं फैयाज बट का ये हैरतअंगेज कैच

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

ओमान के तेज गेंदबाज फैयाज बट ने बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप के छठे मैच में एक ऐसा हैरतअंगेज कैच लपका जो किसी अजूबे से कम नहीं था। ये मैच मस्कट में खेला जा रहा था। सुपरमैन अंदाज में फैयाज का ये कैच देख हर कोई दंग रह गया। इस कैच का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

दरअसल, हुआ यूं कि बांग्लादेश की बल्लेबाजी के दौरान चौथे ओवर में फैयाज गेंदबाजी के लिए आए। उन्होंने अपने ही ओवर की तीसरी गेंद पर पर बांग्लादेश के मेहदी हसन का ऐसा कैच लपका, जिसे देख हर कोई हैरान रह गया। फैयाज के इस बेहतरीन कैच की हर जगह तारीफ हो रही है।

मैच में क्या हुआ?

अगर मैच की बात करें तो टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर के 6वें मैच में बांग्लादेश ने ओमान को 26 रनों से हरा दिया। टॉस जीतकर पहले खेलते हुए बांग्लादेश ने करो या मरो मुकाबले में 20 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 153 रन बनाए। टीम के लिए ओपनर मोहम्मद नईम ने 50 गेंदों पर (64) रनों की पारी खेली। वहीं, ओमान के लिए बिलाल खान और फैयाज बट 3-3 विकेट लेने में सफल रहे। 154 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए ओमान की शुरुआत शानदार रही और एक समय टीम का स्कोर 12 ओवर तक 82/3 था। इसके बाद टीम की पारी लड़खड़ाई और बांग्लादेशी गेंदबाजों ने ओमान को वापसी का मौका ही नहीं दिया।

टी-20 क्रिकेट विश्व कप में हिस्सा ले रही स्कॉटलैंड की टीम जो जर्सी पहनकर मैदान पर खेलने के लिए उतरती है, उसे महज 12 साल की एक लड़की ने डिजाइन किया है। इस लड़की का नाम है रेबिका डाऊनी। क्रिकेट स्कॉटलैंड ने जर्सी का डिजाइन के लिए करीब 200 स्कूलों से एंट्रीज मंगवाई थीं। इनमें रेबिका की बनाई डिजाइन सभी को पसंद आई। रेबिका की बनाई यह जर्सी पहनकर स्कॉटलैंड की टीम ओमान के खिलाफ मैच खेलने उतरी थी। अब जब स्कॉटलैंड की टीम जिमबाब्वे के खिलाफ अपना अगला मैच खेल रही थी रेबिका व उनका पूरा परिवार इस दौरान स्पैशल गैस्ट रहा।

14 साल का इतिहास गवाह है : वर्ल्ड कप में जब-जब भारत से टकराया पाकिस्तान, चूर-चूर हो गया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप में दो कट्टर प्रतिद्वंदी भारत और पाकिस्तान पिछले 9 साल में 5 बार भिड़े हैं और पांचों बार पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी है। एक बार फिर से 24 अक्टूबर को इस मेगा टूर्नामेंट में दोनों टीमें एक दूसरे के खिलाफ उतरने वाली हैं। इससे पहले आइए हम आपको उन पांच मैचों के बारे में बताते हैं जब भारत और पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप में एक दूसरे से टकराए।

पहला मुकाबला

2007 में टी-20 वर्ल्ड कप का पहला संस्करण खेला गया था। भारत और पाकिस्तान इस वर्ल्ड कप में एक ही ग्रुप में थे। दोनों टीमों के बीच हुआ मुकाबला कांटे की टक्कर का रहा। टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 141 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने भी इतने ही रन बनाए और मैच टाई हो गया।

पहला मुकाबला

ग्रुप मैच के बाद दोनों टीमों की भिड़ंत एक बार फिर फाइनल में हुई। मैच में टॉस जीतकर भारत ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने 54 गेंदों पर 75 रनों की धमाकेदार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 8 चौके और दो छक्के लगाए। उनके अलावा रोहित शर्मा ने 16 गेंदों में 30 रनों की तूफानी पारी खेली।

तीसरा मुकाबला

2012 के टी-20 वर्ल्ड कप का आयोजन श्रीलंका में हुआ था। टीम इंडिया के लिए ये मैच एकतरफा साबित हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की टीम सिर्फ 128 रन पर ऑलआउट हो गई। मैच में लक्ष्मीपती बालाजी ने कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने पाक टीम को 3 झटके दिए। टीम इंडिया की ओर से विराट कोहली ने अपने बल्ले का जौहर दिखाया और 61 गेंदों में 78 रन बनाए। उन्हें मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। भारत ने ये मुकाबला 8 विकेट से अपने नाम किया।

चौथा मुकाबला

भारत के लिए ये मैच भी एकदम आसान साबित हुआ। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में सिर्फ 130 रन बनाए। अमित मिश्रा ने मैच में शानदार गेंदबाजी करते हुए 22 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्होंने 1 मेडन ओवर भी डाला। कोहली एक बार फिर टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 32 गेंदों में 36 रनों की पारी खेली।

5 वां मुकाबला

2016 के विश्व कप में भारत पाकिस्तान का मुकाबला कोलकाता में खेला गया। एक बार फिर पाकिस्तान की टीम ने पहले बल्लेबाजी की और वो फिर फिसड्डी साबित हुए। उन्होंने 20 ओवर में सिर्फ 118 रन बनाए। हालांकि, टीम इंडिया जब बल्लेबाजी करने आई तो भारत को शुरुआती झटके लगे। मोहम्मद आमिर और मोहम्मद सामी ने भारत के तीन विकेट जल्दी गिरा दिए, लेकिन विराट कोहली ने 37 गेंदों में 55 रन बनाकर एक बार फिर से पाकिस्तान के भारत के खिलाफ वर्ल्ड कप में जीत के सपने को वहीं खत्म कर दिया। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 7 चौके और 1 छक्का लगाया। टीम इंडिया ये मैच 6 विकेट से जीत गई।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

न्यूज ब्रीफ

पर्यावरण की रक्षा के लिए कॉर्पोरेट कंपनियां अपनी जिम्मेदारी समझें : आदित्यठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार उद्योग जगत के लिए नए नियम लाने की तैयारी में है। सरकार पर्यावरण के मुद्दे पर सख्त नियमों के पालन की तरफ इशारा भी कर रही है। सरकार की तरफ से कंपनियों को अपनी आदतों में बदलाव और पर्यावरण की रक्षा के लिए कॉर्पोरेट कंपनियों, गैर सरकारी संगठनों और आम नागरिकों को एकजुट होकर काम करने की अपील की है। महाराष्ट्र सरकार के पर्यटन एवं पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे ने नैशनल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा भारत के लिए समुद्री और जमीनी कचरे तथा प्रदूषण का प्रबंधन तेज करने के लिए आर्थिक अवसर विषय पर आयोजित परिचर्चा में कॉर्पोरेट कंपनियों को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु में बदलाव के कारण कई तरह की समस्या सामने खड़ी हो रही है, इस बात से सभी कंपनियां और कॉर्पोरेट घराने अवगत है। उन्होने कहा कि यहां उपस्थित हम सभी और एनएसई पर सूचीबद्ध कंपनियां इस तथ्य से अवगत हैं कि हमारी आस-पास की जलवायु बदल चुकी है। पिछले 13 महीनों में मुंबई और महाराष्ट्र ने तीन-तीन तूफ़ानों का सामना किया है। 250 एमएम तक वर्षा हुई और भारी बाढ़ आ गई। ऐसी स्थिति पहले कई दशकों में नहीं आई थी। पिछले तीन वर्षों में मुंबई शहर में 3000 एमएम से अधिक वर्षा हुई है। भारी बारिश से फसलों, अवसंरचनागत आवासीय परिसम्पतियों और संपत्तियों के अलावा समय-समय पर मानवीय जिंदगियों का नुकसान हुआ। ये सभी घटनाएं हमारे लिए चेतावनी हैं कि हम सभी को एकजुट होकर छोटी-छोटी पर्यावरण हितैषी आदतें विकसित करने और पर्यावरण के साथ अधिक तालमेल बनाकर जीने की ज़रुरत है।

सिर्फ सॉफ्टवेयर से बात नहीं बनेगी, चीनी-कोरियन कंपनी से हार्डवेयर में कमजोर और कीमत में ज्यादा

» यही है गूगल पिक्सल के नाकाम होने की कहानी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पिक्सल स्मार्टफोन, यानी गूगल का फोन। वही गूगल जिसके ऑपरेटिंग सिस्टम पर दुनियाभर के एंड्रॉयड स्मार्टफोन काम करते हैं। बात नए-नए फीचर्स की हो, या फिर फोन को सिक्योरिटी देने की। हर मामले में गूगल फोन को संभालती है। हालांकि, अलग-अलग कंपनी के एंड्रॉयड फोन को हिट कराने वाली गूगल अपने ही पिक्सल फोन को रेस में बनाकर नहीं रख पाई है। कहने को हर साल नए पिक्सल फोन लॉन्च होते हैं। ये पुराने मॉडल से एडवांस होते हैं। सबसे लेटेस्ट ओएस से लैस भी होते हैं। लेकिन अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहते हैं। पिक्सल फोन की नाकामी ये सवाल खड़ा करती है कि जिस फोन के साथ लेटेस्ट ओएस मिल रहा है। अनलिमिटेड फोटो और वीडियो के लिए फ्री क्लाउड स्टोरेज भी मिल रहा है, जिसके लिए दूसरों को हर

महीने मिनिमम 130 रुपए खर्च करने होते हैं। इसके बाद भी आखिर ये फोन मार्केट में अपनी जगह क्यों नहीं बना पाए हैं। खासकर भारतीय बाजार में इनके खरीदार न के बराबर हैं।

पिक्सल फोन के नाकाम होने की आखिर वजह क्या है?

एकदम सीधे शब्दों में कहा जाए तो पिक्सल फोन की नाकामी की बड़ी वजह इसका हार्डवेयर और कीमत हैं। पिक्सल फोन जब भी लॉन्च होता है तब उसके हार्डवेयर में कुछ भी ऐसा नया नहीं मिलता, जो इस फोन को खरीदने की कारण बने। दूसरे फोन की तुलना में इसके डिस्प्ले का साइज, कैमरा क्वालिटी या पिक्सल और बैटरी काफी कमजोर होते हैं। लेकिन कीमत के मामले में ये अच्छे-अच्छे प्रीमियम स्मार्टफोन को टक्कर देता है। इस बात को एक उदाहरण से समझते हैं...

जब गूगल ने अपना पिक्सल 5 स्मार्टफोन लॉन्च किया, तब भारतीय बाजार में इसका मुकाबला वनप्लस 8 और सैमसंग गैलेक्सी स्20 जैसे एंड्रॉयड स्मार्टफोन से हुआ। लेकिन हार्डवेयर के मामले में पिक्सल 5 इन दोनों स्मार्टफोन से काफी पिछड़ा नजर आया।

साफ है कि गूगल जिस हार्डवेयर के साथ पिक्सल 5 फोन को 61,400 रुपए में बेच रहा है। उससे बेहतर हार्डवेयर के साथ वनप्लस और सैमसंग गैलेक्सी के स्मार्टफोन आ रहे हैं। यानी गूगल पिक्सल फोन को फ्लॉप होने का सिलसिला उसके हार्डवेयर और कीमत के साथ शुरू हो जाता है। लगभग यही कहानी गूगल के सभी नए पिक्सल फोन के साथ रही है।

पहला पिक्सल फोन ही उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा

गूगल ने अपना फर्स्ट जनरेशन पिक्सल स्मार्टफोन 4 अक्टूबर, 2016 को लॉन्च किया था। कंपनी ने मेड बाय गूगल इवेंट में पिक्सल और पिक्सल एक्सएल लॉन्च किए थे। देखने में ये स्मार्टफोन सिंपल डिजाइन वाले थे। इनका सबसे बेस्ट पार्ट ये था कि इनमें गूगल ने अपना उस वक्त का सबसे लेटेस्ट ऑपरेटिंग सिस्टम एंड्रॉयड 7.1 नॉगट दिया था। वहीं, इसे एंड्रॉयड 10 तक अपडेट कर सकते थे। ये फास्ट चार्जिंग को भी सपोर्ट करते थे।

2016 में जब गूगल ने पिक्सल फोन लॉन्च किए तब मार्केट में डुअल रियर कैमरा, 6000एपएएच बैटरी और बड़े डिस्प्ले वाले फोन मिल रहे थे। गूगल पिक्सल एक्सएल की कीमत 33,299 रुपए थी। यानी इसे सिर्फ एलीट वर्ग वाले यूजर्स ही खरीद सकते थे। इसके बाद लॉन्च होने वाले पिक्सल 2 और 2 एक्सएल, पिक्सल 3 और 3 एक्सएल, पिक्सल 3ए और 3ए एक्सएल, पिक्सल 4 और 4 एक्सएल, पिक्सल 4ए और 4ए एक्सएल, पिक्सल 5 और पिक्सल 5ए की कीमत भी मार्केट में मौजूद दूसरे स्मार्टफोन की तुलना में ज्यादा रही।

नए पिक्सल फोन आने पर पुराना मॉडल बंद

गूगल ने पिक्सल 5ए 5त्न स्मार्टफोन 17 अगस्त, 2021 को लॉन्च किया था। इसकी बिक्री शुरू करने के साथ उसने पिक्सल 4ए 5त्न और पिक्सल 5 को बंद कर दिया। इससे पहले कंपनी पिक्सल 4 और पिक्सल 4 एक्सएल को बंद कर चुकी है। हालांकि, ये गूगल की पिक्सल फोन को अपग्रेड करने की पॉलिसी का हिस्सा है। हो सकता है कि पिक्सल फोन की भारत में नाकामी की एक वजह पुराने पिक्सल फोन का बंद होने भी हो।

पिक्सल फोन की डिमांड लगातार घट रही

भारतीय बाजार में पिक्सल स्मार्टफोन की बिक्री को लेकर कंपनी ने कोई ऑफिशियल आंकड़ा जारी नहीं किया। हालांकि, अमेरिकी बाजार में उसकी डिमांड शुरू में देखने को मिली। 2019 में गूगल ने ऑफिशियली इस बात का एलान किया था कि उसे अमेरिकी बाजार में सालाना आधार पर 52 फीसदी की ग्रोथ मिली।

बैंकिंग में बदलाव : 75 फीसदी लेनदेन अब मोबाइल बैंकिंग से हो रहा, एटीएम की हिस्सेदारी 5 गुना घटी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देश में लेनदेन के तरीकों पर मोबाइल सेवाओं के रास्ते इंटरनेट की पहुंच बढ़ने का गहरा असर हुआ है। एटीएम से पैसे निकाल कर कैश का इस्तेमाल लगातार घट रहा है। दूसरी तरफ मोबाइल बैंकिंग और मोबाइल वॉलेट से लेनदेन तेजी से बढ़ा है। बीते सात साल में मोबाइल बैंकिंग आखिरी पायदान से पहले नंबर पर पहुंच गई। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक इस साल मार्च के अंत तक बैंक खातों से कुल लेनदेन

(संख्या के हिसाब से) में सबसे ज्यादा 65.8 फीसदी हिस्सेदारी मोबाइल बैंकिंग की रही। एटीएम के जरिए सिर्फ 15.9 फीसदी ट्रांजेक्शन हुए। 10.4 फीसदी ट्रांजेक्शन के साथ मोबाइल वॉलेट तीसरे स्थान पर और 8 फीसदी से भी कम लेनदेन के साथ पीओएस (पॉइंट ऑफ सेल) चौथे स्थान पर रहा। लेनदेन के तरीकों के मामले में 2014 तक के हालात बिलकुल उलट थे। तब हर 5 में 4 लेनदेन एटीएम से कैश निकाल कर होता था। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, 2014 में कुल लेनदेन (संख्या के हिसाब से) में सबसे ज्यादा 82.1 फीसदी हिस्सेदारी एटीएम की थी।

मूल्य के लिहाज से भी सबसे ज्यादा ट्रांजेक्शन मोबाइल बैंकिंग से हुए:- आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा रकम के ट्रांजेक्शन भी मोबाइल बैंकिंग के जरिए हो रहे हैं। इस साल मार्च तक मूल्य के हिसाब से सबसे ज्यादा 71 फीसदी लेनदेन मोबाइल बैंकिंग के जरिए हुए। 22.6 फीसदी लेनदेन के साथ एटीएम इस मामले में दूसरे स्थान पर और 5.2 फीसदी ट्रांजेक्शन के साथ पीओएस तीसरे स्थान पर रहा। मोबाइल वॉलेट के जरिए सिर्फ 1.2 फीसदी ट्रांजेक्शन हुए। 2014 तक स्थिति इसके उलट थी। सबसे ज्यादा 87.7 फीसदी ट्रांजेक्शन एटीएम से, जबकि मोबाइल बैंकिंग से सिर्फ 1 फीसदी ट्रांजेक्शन होते थे।

जोहो वन के वैश्विक ग्राहकों की संख्या बढ़ी

चेन्नई। चेन्नई की सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट कंपनी जोहो कॉरपोरेशन ने आज कहा कि 2020 में वैश्विक स्तर पर उसके बिजनेस ऑपरेटिंग सिस्टम जोहो वन के ग्राहक आधार में सालाना आधार पर 60 फीसदी की वृद्धि हुई। कंपनी ने कहा कि उसके दूसरे सबसे बड़े बाजार भारत में यह आंकड़ा 104 फीसदी रहा। कंपनी ने कारोबारियों के लिए अपने ऑपरेटिंग सिस्टम जोहो वन पर आज छह नए ऐप, तीन नई सेवाएं और सात प्रमुख प्लेटफॉर्म एन्हांसमेंट को लॉन्च किया। जोहो के अनुसार, नई सुविधाएं कारोबारियों को अलग-अलग डेटा चुनौतियों से निपटने और विभिन्न इकाइयों के बीज करीबी संचार को बेहतर करने में मदद करेंगी ताकि संगठन को कहीं अधिक उत्पादक बनाने, रिमोट एवं हाइब्रिड कार्य प्रणालियों को तेजी से अपनाने और वृद्धि के लिए चुस्त-दुरुस्त बनाया जा सके।

APPOINTMENTS
ITDC NEWS
Reputed business Hindi daily of Madhya Pradesh is required
POSTINGS AT BHOPAL MP
SALES AD TEAM LEADER
5 years experience in print media
EXECUTIVE SPACE SALES
Degree in any discipline, prefer BBA
News Reporter
Degree in any discipline, Prefer BJ

Send resume hr.itdcnews@gmail.com, and whatsapp on 9826073332 in 3 days

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com
मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,
विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।
मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।
आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।
आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़

परोपकार भी, रोजगार भी
प्रति माह 50 हज़ार या अधिक भी अर्जन कर सकते हैं.
बिना किसी पूंजी, बिना तकनीकी योग्यता

बेरोजगार
एवं बेहतर जॉब या कार्य संतुष्टि चाहने वाले भाई बहन आगामी
अर्थसम्मेलन 21
20 नवंबर 2021, 3.00PM
(वर्चुअल ज़ूम पर, सीमित स्थान) में भाग लें.
अपनी सीट बुकिंग गूगल आवेदन फॉर्म लिंक हेतु
YES, I AM WILLING.
(name, state, mob. no.)
निम्न मोबाइल व्हाट्सएप्प न. पर लिखें.
+91 9826 22 00 22
green DONOR हरित वीर वाहिनी www.greendonor.in
माँ प्रकृति सँवार, संवर्धन, संरक्षण, के लिए समर्पित.

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।